दैनिक

कीर्तिप्रभा

खबरों के सच का निर्भीक आइना

■ रीवा ■ भोपाल से एक साथ

वर्ष : 28, अंक : 234   पृष्ठ 12, रीवा

शनिवार 16 मई 2026

मूल्य : 3.00 रुपए

नीट-यूजी 2026 में बड़ा बदलाव, अगले साल से कंप्यूटर बेस्ड होगी परीक्षा

-पेपर लीक मामले के बाद केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

-री-एग्जाम 21 जून को

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 एग्जाम में पेपर लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए मेडिकल प्रवेश परीक्षा प्रणाली में व्यापक बदलावों का ऐलान किया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि छात्रों के हितों की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य में किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए अगले वर्ष से नीट परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) मोड में आयोजित की जाएगी।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस वर्ष आयोजित परीक्षा में पेपर लीक की पुष्टि होने के बाद सरकार ने निष्पक्षता बनाए रखने के लिए दोबारा परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने घोषणा की कि नीट-यूजी 2026 का री-एग्जाम 21 जून को आयोजित होगा। सरकार का मानना है कि इससे मेहनती छात्रों के साथ न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार पेपर लीक माफिया और फर्जी अभ्यर्थियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

यूपी में प्राकृतिक आपदा- आंधी-तूफान से 111 की मौत, वैश्विक नेताओं ने जताया शोक

योगी के निर्देश, 24 घंटे के भीतर प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचे

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में बीते 36 से 48 घंटों के दौरान आए भयंकर आंधी-तूफान, भारी बारिश और बिजली गिरने से व्यापक तबाही हुई है। 13 और 14 मई को राज्य के विभिन्न हिस्सों में प्राकृतिक कहर ने 111 लोगों की जान ले ली, जबकि 72 अन्य घायल हो गए। इस भीषण त्रासदी में जान-माल का भारी नुकसान हुआ है, जिसकी गूंज विदेशों तक पहुंची है और कई वैश्विक नेताओं ने इस पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

इस दुखद घटना पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। क्रेमलिन द्वारा जारी बयान के अनुसार, पुतिन ने प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों के

परिवारों के प्रति सहानुभूति जताकर और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने उत्तर प्रदेश में चक्रवात से हुई भारी क्षति और जानमाल के नुकसान पर अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए पीड़ितों के परिवारों और मित्रों को समर्थन का संदेश भेजा। सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने एक्स के माध्यम से बरेली सहित प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान पर दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना की। इसी क्रम में, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी कर भारत के प्रति एकजुटता दिखाते हुए इस भीषण तूफान से हुई मौतों और नुकसान पर गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बेमौसम बारिश, आंधी और बिजली गिरने से हुई क्षति का संज्ञान लिया। उन्होंने अधिकारियों को युद्ध स्तर पर काम करने और 24 घंटे के भीतर प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार, राज्य में 111 मौतों के साथ-साथ 170 पशुओं की हानि हुई और 227 घरों को नुकसान पहुंचा है।

गोवा-दिल्ली की सरकारों ने लोकसेवकों की विदेश यात्राओं पर लगाया बैन

विदेश यात्राओं के लिए पहले से दी गई मंजूरियां भी रद्द कर दी गई

पणजी,(ईएमएस)। गोवा सरकार ने विदेशी मुद्रा के संरक्षण की जरुरत को देखते हुए सरकारी खजाने से वित्त पोषित होने वाली लोक सेवकों की सभी आधिकारिक विदेश यात्राओं पर गुरुवार को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। राज्य के वित्त विभाग द्वारा जारी ज्ञापन मे कहा गया है कि यह फैसला पीएम मोदी द्वारा हाल ही में की गई अपील के बाद लिया गया। अवर सचिव नरेश गौड़ द्वारा जारी ज्ञापन मे कहा गया है कि आधिकारिक विदेश यात्राओं के लिए पहले से दी गई मंजूरियां भी रद्द कर दी गई है।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक 21 मई को, पीएम मोदी करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली,।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक 21 मई को होने की संभावना है। बैठक मे सभी केंद्रीय मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और अन्य केंद्रीय राज्य मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों और मंत्रालयों के कामकाज की समीक्षा की जाएगी।

गोवा कांग्रेस नेता केतन को सांप ने डसा, मौत

पणजी,। गोवा कांग्रेस के नेता केतन भाटीकर की सांप के काटने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार यह घटना गुरुवार रात उस समय हुई, जब 38 वर्षीय भाटीकर कर्नाटक के दांडेली गांव जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, गोवा-कर्नाटक सीमा पर करमल घाट इलाके में किसी काम से उतरने के दौरान उन्हें सांप ने डस लिया। इसके बाद उन्हें तत्काल गोवा के धरबंदोरा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया,

मणिपुर में तनाव के बीच 28 बंधक रिहा, 6 लोग अब भी लापता

इंफाल,(ईएमएस)। मणिपुर में जारी जातीय तनाव के बीच राहत भरी खबर सामने आई है। कुकी और नगा समूहों ने शुक्रवार को 28 बंधकों को रिहा कर दिया। यह रिहाई युनाइटेड नगा काउंसिल (यूएनसी), विभिन्न सिविल सोसाइटी संगठनों और पुलिस के हस्तक्षेप के बाद सम्भव हो सकी। हालांकि दोनों पक्षों से छह लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं।

रद्द हुई नीट यूजी 2026 परीक्षा अब दोबारा 21 जून को होगी

नई दिल्ली,। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 को लेकर चल रहा सस्पेंस अब खत्म हो गया है। पेपर लीक

पेट्रोल-डीजल के दाम 3 रूपये से ज्यादा बढ़े, सीएनजी महंगें

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच महंगाई का झटका

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपजे ईंधन संकट के बीच भारतीय उपभोक्ताओं पर महंगाई की चौतरफा मार पड़ी है। पिछले 48 घंटों के भीतर आम आदमी को दूध, सीएनजी और अब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के रूप में तीन बड़े झटके लगे हैं। घरेलू बजट पर बढ़ते इस दबाव ने रसोई से लेकर सफर तक, हर चीज को महंगा कर दिया है। तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 रु प्रति लीटर से अधिक का इजाफा किया है। इस बढ़ोतरी के बाद देश भर में ईंधन के दाम नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं।

ईंधन के साथ-साथ सीएनजी की कीमतों में भी देश भर में 2 रु प्रति किलो की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे इसका नया रेट 79.09 रु प्रति किलो हो गया है। मुंबई में यह दर 84 रु प्रति किलो तक जा पहुंची है। इससे ऑटो, टैक्सी और निजी वाहन मालिकों पर बोझ बढ़ गया है। इससे पहले बुधवार को अमूल और मदर डेयरी जैसे प्रमुख ब्रांड्स ने दूध की कीमतों में 2 रु प्रति लीटर तक की वृद्धि की थी, जिसका असर चाय, दही और घी जैसे डेयरी उत्पादों पर भी पड़ना तय है।कीमतों में इस अचानक उछाल का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इजरायल तनाव और स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में सप्लाई चेन का बाधित होना है। इस समुद्री मार्ग के प्रभावित होने से कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है, जिससे तेल कंपनियां घाटे में चल रही हैं। प्रधानमंत्री ने भी हाल ही में नागरिकों से ईंधन बचाने की अपील की थी और स्वयं के काफिले में गाड़ियां कम कर प्रतीकात्मक संदेश दिया था। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया का संकट जल्द नहीं टला, तो पेट्रोल-डीजल की कीमतों में और भी इजाफा हो सकता है। डीजल महंगा होने का सीधा असर माल ढुलाई पर पड़ेगा, जिससे आने वाले दिनों में फल, सब्जियां, अनाज और अन्य रोजमर्रा के सामान की कीमतें बढ़ना निश्चित है। वर्तमान स्थिति मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों के लिए बड़ी आर्थिक चुनौती पेश कर रही है। अब लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या आने वाले दिनों में रसोई गैस के दाम भी बढ़ेंगे।

राहुल गांधी का आरोप, मोदी सरकार की गलती की कीमत जनता चुकाएगी

खरगे ने कहा, ये संकट केंद्र सरकार की ओर से लाया गया

नई दिल्ली लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) राहुल गांधी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी पर केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की गलती की कीमत जनता चुकाएगी। राहुल गांधी ने भविष्य में भी तेल कीमतों में इजाफा होने की आशंका जाहिर की है। राहुल गांधी ने पोस्ट किया, गलती सरकार की, कीमत जनता चुकाएगी। 3 रुपए का झटका आ चुका, बाकी वसूली किस्तों में होगी। वहीं, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश की जनता को ये समझना होगा कि वर्तमान समय में वैश्विक ईंधन संकट के साथ-साथ भारत में आर्थिक संकट की बड़ी वजह केंद्र सरकार में नेतृत्व संकट, दूरदर्शी सोच का अभाव है और अक्षमता कूट-कूट कर भरी है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा, ये संकट केंद्र सरकार की ओर से लाया गया संकट है, जिसका खामियाजा देश की जनता को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी पर अपनी जेब से भरना पड़ रहा है। जब डीजल के दाम बढ़ते हैं, तब पूरे देश में महंगाई का असर पड़ता है। उद्योगों से लेकर घरेलू बजट व किसानों तक सब पर बुरा असर पड़ता है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जब पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हुई, तब देश को बताया गया कि सब चंगा सी और कांग्रेस पार्टी के सवालों को नकारा गया। कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उल्टा अमेरिकी अनुमति और इजाजत के चलते हमारी संप्रभुता को गिरवी कर दिया गया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान सरकार इसतरह का व्यवहार करती है कि सब सामान्य है और केंद्र सरकार का काम केवल राज्यों में चुनाव लड़ना है। अब जब संकट बढ़ रहा है, तब प्रधानमंत्री मोदी वर्क फॉम होम और ईंधन बचाने का झुनझुना बजा रहे है।

पीएम मोदी पांच देशों की यात्रा पर रवाना

यात्रा का उद्देश्य उथल-पुथल के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना

नई दिल्ली, पीएम मोदी शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की छह दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। इस यात्रा का उद्देश्य मौजूदा भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। ऊर्जा प्रवाह की सुरक्षा सुनिश्चित करना, पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न व्यापार व्यवधानों को कम करना और अहम प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर बताया कि अगले छह दिनों में पीएम मोदी भारत की वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से कई विविध विषयों पर विश्व के कई नेताओं से बातचीत करेंगे।

प्रधानमंत्री पहले यूएई जाएंगे जहां वह राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने और पश्चिम एशिया संघर्ष पर विचारों का आदान-प्रदान करने पर केंद्रित व्यापक वार्ता करेंगे। पीएम मोदी यूरोप यात्रा पर रवाना होने से पहले खाड़ी देश में करीब चार घंटे बिताएंगे।

पुणे का रसायन शास्त्र प्राध्यापक गिरफ्तार, जांच एजेंसी ने बताया मास्टरमाइंड

पुणे ।नीट 2026 प्रश्नपत्र लीक मामला में जांच कर रही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को बड़ी सफलता मिली है। एजेंसी ने पुणे से रसायन शास्त्र के प्राध्यापक पीवी कुलकर्णी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में यह अब तक की 8वीं गिरफ्तारी बताई जा रही है। जांच एजेंसी का दावा है कि कुलकर्णी ही पूरे प्रश्नपत्र लीक गिरोह का मुख्य सूत्रधार है। जांच में सामने आया है कि आरोपी मूल रूप से लातूर का रहने वाला है और कई वर्षों तक नीट प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञ पैनल का हिस्सा रह चुका है। इसी वजह से उसे परीक्षा प्रणाली और प्रश्नपत्र तक सीधी पहुंच हासिल थी।

जांच एजेंसी के मुताबिक आरोपी पुणे स्थित अपने घर से कोचिंग चलाता था, जहां वह परीक्षा से पहले चुनिंदा विद्यार्थियों को संभावित प्रश्न और उनके सही उत्तर उपलब्ध कराता था। आरोप है कि 3 मई को हुई परीक्षा से पहले अप्रैल के अंतिम सप्ताह में कई विद्यार्थियों तक लीक सामग्री पहुंचाई गई।

जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि 1 मई की रात एक गुप्त संदेश समूह पर कथित तौर पर प्रश्नपत्र साझा किया गया था। इस समूह में 402 सदस्य जुड़े हुए थे। प्रारंभिक जांच में साझा किए गए प्रश्नों और वास्तविक परीक्षा के प्रश्नों में कई समानताएं पाई गई हैं, जिससे मामले ने और गंभीर रूप ले लिया है इस बीच प्रश्नपत्र लीक विवाद से देशभर में विद्यार्थियों और अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा कितने विद्यार्थियों तक यह लीक सामग्री पहुंचाई गई।

खरगे और राहुल गांधी की मौजदूगी में सोमवार को सतीशन की ताजपोशी

तिरुवनंतपुरम,। केरल में वीडी सतीशन सोमवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले

इस समारोह में कांग्रेस अपना शक्ति प्रदर्शन भी करेगी

हैं। इसके साथ ही, कांग्रेस राज्य में एक दशक बाद सत्ता में वापसी करेगी, पिछली बार 2011 में ओमन चांडी मुख्यमंत्री थे। तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में शपथ ग्रहण की तैयारियां जोरों पर हैं, जहां एक लाख लोगों के जुटने की उम्मीद है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने 140 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटें जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। इसमें कांग्रेस ने अपने दम पर 63 सीटों पर जीत दर्ज की। सतीशन के साथ-साथ पूरे मंत्रिमंडल के भी शपथ लेने की संभावना है। यूडीएफ नेतृत्व कैबिनेट संरचना को अंतिम रूप दे रहा है, जिसमें प्रत्येक सहयोगी दल से मंत्रियों की संख्या पर विचार हो रहा है।

मुख्यमंत्री पद के लिए सतीशन का चयन कांग्रेस हाईकमान द्वारा दिल्ली और केरल में दस दिनों की गहन अनिश्चितता, पर्दे के पीछे

की बातचीत और नाटकीय उतार-चढ़ाव के बाद हुआ। बातचीत का अहम दौर गुरुवार सुबह शुरू हुआ, जब वेणुगोपाल को दिल्ली में राहुल गांधी के आवास पर बुलाया गया। करीब तीन घंटे चली चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने वेणुगोपाल को बताया कि नेतृत्व ने शीर्ष पद के लिए सतीशन का समर्थन करने का फैसला किया है। प्रियंका गांधी वाड्रा भी पार्टी के भीतर आम सहमति सुनिश्चित करने के प्रयासों में शामिल हुई।

वे धुंए की लकीर पकड़ते रह गए इधर भारत ने कर दिया कमाल

ओडिशा के तट से भारत ने किया गुप्त मिसाइल परीक्षण

भुवनेश्वर,(ईएमएस)। 8 मई की शाम जब दुनिया अपनी सामान्य गति से चल रही थी, भारत के पूर्वी तट पर कुछ ऐसा हुआ जिसने वैश्विक रक्षा गलियारों में हलचल पैदा कर दी। ओडिशा के डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से एक रहस्यमयी मिसाइल ने अंधेरे आसमान को चीरते हुए उड़ान भरी। इसकी रोशनी और रफ्तार इतनी प्रचंड थी कि ओडिशा और पश्चिम बंगाल ही नहीं, बल्कि पड़ोसी देश बांग्लादेश तक के आसमान में धुएं की लकीरें और आग की लपटें देखी गईं। देखते ही देखते इसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए और चर्चा छिड़ गई कि क्या भारत ने कोई ऐसा गुप्त हथियार विकसित कर लिया है जिसकी जानकारी अभी दुनिया को नहीं है?

इस परीक्षण को लेकर रहस्य गहराने का सबसे बड़ा कारण भारत सरकार की प्रारंभिक चुप्पी और जारी किया गया नोटाम था। आमतौर पर जब भी मिसाइल परीक्षण होते हैं, तो हवाई सुरक्षा के लिए 1500 से 2000 किलोमीटर तक के दायरे का नोटम जारी किया जाता है। लेकिन इस बार, यह दायरा करीब 3,560 किलोमीटर लंबा था। यह खतरनाक क्षेत्र बंगाल की खाड़ी से शुरू होकर हिंद महासागर के सुदूर दक्षिणी हिस्सों तक फैला हुआ था। इतने विशाल कॉरिडोर ने रक्षा विशेषज्ञों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि भारत किसी लंबी दूरी की मिसाइल का परीक्षण कर रहा है। बाजार में अटकलों का दौर शुरू हो गया। क्या यह भारत की बहुप्रतीक्षित अग्नि-6 मिसाइल थी, जिसकी मारक क्षमता 8,000 से 10,000 किलोमीटर मानी जा रही है? या फिर भारत ने कोई नई हाइपरसॉनिक मिसाइल तकनीक का सफल प्रयोग किया है? यह सवाल इसलिए भी अहम था क्योंकि यह नोटम केवल एक दिन के लिए नहीं बल्कि कई दिनों के लिए प्रभावी था, जो किसी बड़े सीक्रेट ऑपरेशन की ओर इशारा कर रहा था। सस्पेंस और अटकलों के बीच, आखिरकार 9 मई को रक्षा मंत्रालय ने इस रहस्य से पर्दा उठाया। मंत्रालय ने आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि भारत ने मिशन दिव्यास्त्र को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। हालांकि मंत्रालय ने विवरणों को बेहद सीमित रखा, लेकिन इस सफल परीक्षण ने यह साफ कर दिया है कि भारत ने अपनी सामरिक शक्ति और तकनीकी क्षमता में एक लंबी छलांग लगाई है, जिससे वैश्विक रक्षा समीकरणों का बदलना तय माना जा रहा है।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप

संदिग्ध विदेशी मुद्रा के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट एलएच 754 वी में बम होने की धमकी से शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हड़कंप मच गया। उड़ान के दौरान एयरलाइन के कस्टमर सपोर्ट को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया था कि विमान में बम रखा गया है और हैदराबाद पहुंचने से पहले उसमें धमाका कर दिया जाएगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 160, निफ्टी 46 अंक गिरा

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दोपहर बाद बिकवाली हावी होने से आई है। आज शुरुआती कारोबार के दौरान मार्केट में तेज़ी देखने को मिली थी पर दिन के अंत में उसके हाथ से बढ़त निकल गयी। मेटल, ऑयल एवं गैस तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच निवेशकों की सतर्कता से भी बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 160.73 अंक नीचे आकर 75,237.99 पर बंद हुआ । वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46.10 अंक फिसलकर 23,643.50 पर बंद हुआ, जिससे इसकी दो दिन की लगातार बढ़त का सिलसिला टूट गया।

आज टाटा स्टील, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इटरनल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो, ट्रेंट, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स सेंसेक्स शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। वहीं इंफोसिस, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, अदानी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी इंडिया, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयरों में तेजी रही। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में

बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में ज़्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 में 0.45 फिसदी की गिरावट और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.61 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी की निफ्टी 50 की कंपनियों में टाटा मोटर्स पीवी , डॉ रेड्डीज में , इंफोसिस और टेक महिंद्रा में बढ़त रही जबकि हिंडाल्को क्वालिटी वॉल्स , नेस्ले इंडिया म, टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 98 अंक बढ़कर 75,497 पर और निफ्टी 41 अंक ऊपर 23,731 के स्तर पर खुला। आज एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी रही। जापान के निक्केई में 0.89 फीसदी और टॉपिक्स में 1.18 फीसदी की बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.6 फीसदी से उछलकर रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि कोस्डैक 0.4 फीसदी गिरा। हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स नीचे आये। दूसरी ओर यूरोप के बाजार भी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाज़ार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुए।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 22 पैसे की गिरवट के साथ ही 95.86 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह 30 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 पर पहुंच गया। रुपये में ये गिरावट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत डॉलर और पश्चिम एशिया संकट को लेकर निवेशकों की कमजोर धारणा के कारण आई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है

मुंबई में सीएनजी के साथ पेट्रोल-डीजल के भी बढ़े दाम, परिवहन पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। मुंबई में सीएनजी के दाम 2 रुपए प्रति किलो बढ़ा दिए गए हैं। अब मुंबई में सीएनजी की नई कीमत 84 रुपए प्रति किलो हो गई है। यह बढ़ोतरी महानगर गैस लिमिटेड की ओर से की गई है, जिससे सीधा असर वाहन चालकों और सीएनजी पर चलने वाले परिवहन पर पड़ेगा।

सीएनजी के साथ ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी इजाफा हुआ है।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने दोनों ईंधनों के दाम 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिए हैं। दिल्ली में अब डीजल की कीमत 90.67 रुपए प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमत 97.77 रुपए प्रति लीटर हो गई है। इस बढ़ोतरी का असर रोजमर्रा की जरूरतों और ट्रांसपोर्ट खर्च पर पड़ना तय है। रिपोर्ट के मुताबिक ईंधन की कीमतों में यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय बाजार से भी जुड़ा हुआ है। हाल के हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल से भी ऊपर पहुंच गई थीं।

हालांकि बाद में इनमें थोड़ी गिरावट आई और यह 100 से 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास स्थिर हुईं।

विशेषज्ञों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन में बाधा और तनावपूर्ण हालात के कारण तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज क्षेत्र में तनाव और आंशिक रूप से सप्लाई बाधित होने की वजह से वैश्विक तेल बाजार प्रभावित हुआ है। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है, जिसका असर भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों पर भी पड़ा है।

भारत दुनिया के उन बड़े देशों में शामिल है जो खुद की जरूरत का ज्यादातर कच्चा तेल आयात करते हैं।

ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम बढ़ने का सीधा असर घरेलू ईंधन कीमतों पर पड़ता है। हालिया बढ़ोतरी से परिवहन, सामानों की ढुलाई और महंगाई पर दबाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

डीजल संकट से खतरे में सीवी उद्योग की रिकवरी

मुंबई। भारत का वाणिज्यिक वाहन (सीवी) उद्योग, जो अंततः वित्त वर्ष 2019 के थोक बिक्री के अपने शीर्ष स्तर को पार कर चुका है, अब एक नए खतरे का सामना कर रहा है। बेहतर वाहन किफायत, जीएसटी के कारण लागत में कमी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार हो रहे खर्च ने रिकवरी को संभव बनाया। लेकिन, टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी गिरीश वाघ के अनुसार, डीजल की कीमतें इस पूरे चक्र के लिए सबसे बड़ा खतरा बनी हैं। ट्रक ऑपरेटरों के लिए, सेगमेंट और ड्यूटी साइकल के आधार पर, डीजल कुल स्वामित्व लागत (टीसीओ) का 25 से 50 प्रतिशत तक होता है।

नई लग्जरी एसयूवी रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में लैंड रोवर ने अपनी नई लग्जरी एसयूवी रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी लॉन्च कर दी है। यह मॉडल रेंज रोवर स्पोर्ट के लिमिटेड एसवी एडिशन टू वेरिएंट से नीचे रखा गया है। इसकी कीमत करीब 30 लाख रुपये कम है। कंपनी ने इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 2.05 करोड़ रुपये तय की है। कंपनी ने इसकी बुकिंग शुरू कर दी है, जबकि डिलीवरी अगस्त 2026 से शुरू होने की संभावना है। दमदार इंजन, शानदार डिजाइन और हाई-टेक फीचर्स के चलते यह एसयूवी लॉन्च होते ही चर्चा में आ गई है। कंपनी के अनुसार नई रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी खासतौर पर भारतीय ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। ये गिरावट मुनाफावसूली के कारण आई है। इससे दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा भाव में भी गिरावट रही। सुबह घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,60,550 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,81,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में गिरावट रही। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 1,188 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,60,790 रुपये के भाव पर खुला।

रेनो जल्द लांच करेगी नई एसयूवी रेनो ब्रिजर

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में रेनो कंपनी अपनी नई कॉम्पैक्ट एसयूवी रेनो ब्रिजर को लॉन्च करने की तैयारी में है, जिसे अनौपचारिक रूप से मिनी डस्टर के नाम से भी जाना जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह नई एसयूवी अपने सेगमेंट में माइलेज के मामले में एक नया बेंचमार्क स्थापित कर सकती है, क्योंकि इसमें नया 1.2 लीटर हाइब्रिड इंजन दिए जाने की संभावना है।

अगले कुछ वर्षों में 16 नई एसयूवी लॉन्च करेगी महिंद्रा

नई दिल्ली। देश के एसयूवी बाजार में महिंद्रा एंड महिंद्रा अपनी मजबूत स्थिति को और सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना पर बढ़ रही है। महिंद्रा ने घोषणा की है कि वह अगले कुछ वर्षों में कुल 16 नई एसयूवी लॉन्च करेगी, जिनमें से पांच मॉडल अगले साल तक ग्राहकों के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। इस विस्तार योजना में मौजूदा मॉडलों के फेसलिफ्ट संस्करणों के साथ-साथ कई नए इलेक्ट्रिक वाहन भी शामिल हैं, जो महिंद्रा की भविष्य की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

आगामी मॉडलों में, नई महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन में एक अपडेटेड ग्रिल, नई हेडलाइट्स और 18 इंच के अलॉय व्हील्स जैसे बाहरी बदलाव देखने को मिलेंगे। इंटीरियर में, 10.25 इंच की बड़ी स्क्रीन और एक डिजिटल क्लस्टर इसे और अधिक प्रीमियम लुक देंगे। इसी तरह, लोकप्रिय ऑफ-रोडर महिंद्रा थार के नए संस्करण में वेंटिलेटेड सीट्स और वायरलेस चार्जिंग जैसे आधुनिक फीचर्स जोड़े जाएंगे, जो इसे दैनिक उपयोग के लिए और अधिक सुविधाजनक बनाएंगे।

कंपनी एक नई कॉम्पैक्ट एसयूवी महिंद्रा विजन.एस पर भी काम कर रही है, जो एक्सयूवी 3एक्सओ और थार के बीच की जगह को भरेगी और इसमें पेट्रोल व डीजल दोनों इंजन विकल्प मिलने की संभावना है। इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में, महिंद्रा बीई.07 को 650 किलोमीटर तक की प्रभावशाली रेंज के साथ लॉन्च करने की तैयारी है, जो इलेक्ट्रिक एसयूवी बाजार में एक मजबूत दावेदार बनेगी।

इसके अतिरिक्त, महिंद्रा विजन.टी को थार ई के एक विकसित संस्करण के रूप में पेश किया जाएगा, जिसमें टू-व्हील ड्राइव और ऑल-व्हील ड्राइव दोनों विकल्प उपलब्ध हो सकते हैं।

अडानी एयरपोर्ट्स और आईएचजी के बीच बड़ा समझौता, भारत में आएगा किम्पटन ब्रांड

मुंबई। अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने वैश्विक आतिथ्य कंपनी आईएचजी होटल्स एंड रिजार्ट्स के साथ भारत में पांच नए होटल तैयार करने के लिए एक समझौते की घोषणा की। यह साझेदारी मुंबई, नवी मुंबई और अहमदाबाद सहित प्रमुख हवाई अड्डों के करीब और तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में करीब 1,500 कमरे जोड़ेगी। यह समझौता भारत में आईएचजी की विस्तार रणनीति के अनुरूप है, इसके तहत विभिन्न ब्रांडों के तहत नए होटल विकसित किए जाएंगे। इस करार का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आईएचजी का लक्जरी ब्रांड किम्पटन होटल्स एंड रेस्तरां पहली बार भारतीय बाजार में आएगा। इन होटलों का विकास जयपुर, मंगलूरु, तिरुवनंतपुरम और मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में भी किया जाएगा।

अडानी समूह की कंपनी एएएचएल वर्तमान में मुंबई, नवी मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ, गुवाहाटी, मंगलूरु और तिरुवनंतपुरम सहित आठ हवाई अड्डों का संचालन करती है। अडानी एंटरप्राइजेज के निदेशक प्रणव अडानी ने इस समझौते को हवाई अड्डों के आसपास विश्वस्तरीय एकीकृत गंतव्य विकसित करने के लक्ष्य के अनुरूप बताया।

उन्होंने कहा कि यह साझेदारी यात्रा, ठहरने और शहरी सुविधाओं के बेहतर समन्वय के साथ उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं और अंतरराष्ट्रीय मानक सुनिश्चित करेगी। आईएचजी के प्रबंध निदेशक (दक्षिण पश्चिम एशिया) सुदीप जैन ने भारत के आतिथ्य क्षेत्र, विशेष रूप से हवाई अड्डा-आधारित शहरों में बड़ी संभावनाओं पर जोर दिया, जहां व्यवसाय, पर्यटन और ट्रांजिट यात्रियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। आईएचजी वर्तमान में भारत में छह ब्रांडों के तहत 52 होटल संचालित करती है और अगले तीन से पांच वर्षों में 98 नए होटल खोलने की योजना बना रही है। दोनों कंपनियां इस साझेदारी को और विस्तार देने के लिए भी उन्नत स्तर की बातचीत कर रही हैं।

डिजिटल धोखाधड़ी रोकने भुगतान में देरी के प्रस्ताव पर बैंकों की जताई सहमति

-चर्चा पत्र में प्रस्तावित सीमाएं केवल पियर टु पियर हस्तांतरण के लिए

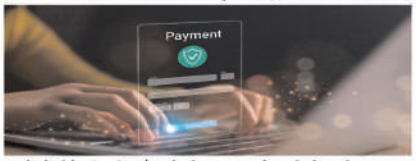

नई दिल्ली। धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए 10,000 रुपए से ज्यादा के खाता से खाता हस्तांतरण पर एक घंटे की देरी का प्रस्ताव करने वाले आरबीआई के चर्चा पत्र की कई हलकों में आलोचना हुई, लेकिन बैंक कुछ हद तक विलंब के विचार का व्यापक समर्थन करते दिखाई दे रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय बैंक से 10,000 रुपए की सीमा को बढ़ाकर 25,000 रुपए करने का आग्रह किया है। सूत्रों ने कहा कि भुगतान उद्योग संगठन सेल्फ-रेग्युलेटेड पीएसओ एसोसिएशन ने भी नियामक को अपनी प्रतिक्रिया भेजी है। उद्योग ने चर्चा पत्र में सुझाए गए सुझावों के संभावित कार्यान्वयन से उत्पन्न परिचालन संबंधी मुद्दों को भी रेखांकित किया है। उद्योग के एक सूत्र ने कहा कि चर्चा पत्र में प्रस्तावित सीमाएं केवल पियर टु पियर हस्तांतरण के लिए हैं। यदि पी2एम प्रवाह के लिए इसी तरह के घोटाले शुरू हो जाएं तो क्या होगा? यह समस्या भरा हो सकता है। उद्योग ने उन परिचालन संबंधी मुद्दों को रेखांकित किया है जो सामने आ सकते हैं, जैसे विलंबित भुगतान, खातों की व्हाइटलिस्टिंग आदि। अप्रैल में जारी एक चर्चा पत्र में रिजर्व बैंक ने डिजिटल भुगतान में बढ़ती धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए कई उपायों का सुझाव दिया था। इसमें लाभार्थी के खाते में धन जमा होने से पहले 10,000 रुपए से ज्यादा के डिजिटल भुगतानों में एक घंटे की देरी करना शामिल है। अन्य उपायों में कमजोर उपयोगकर्ताओं के लिए विश्वसनीय व्यक्तियों द्वारा अतिरिक्त प्रमाणीकरण, जिन खातों में बड़ी राशि जमा होती है, उनकी कड़ी जांच और ग्राहक द्वारा किए जाने वाले सुरक्षा उपायों का विस्तार शामिल है।

टोयोटा ने रखा हर साल एक लाख गाड़ियां बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारत में टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन अपनी नई फैक्ट्री स्थापित करने जा रही है। जापानीज कंपनी टोयोटा यह प्लांट महाराष्ट्र के बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र में लगाया जाएगा। इस प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता एक लाख गाड़ियों की होगी। कंपनी ने उम्मीद जताई है कि इस नए संयंत्र में वर्ष 2029 की पहली छमाही से उत्पादन शुरू हो जाएगा। टोयोटा के अनुसार, इस फैक्ट्री में स्टैम्पिंग, वेल्डिंग, पेंटिंग और असेंबली जैसे सभी प्रमुख विनिर्माण कार्य किए जाएंगे।

विशेष रूप से, यहां एक नए एसयूवी मॉडल का निर्माण भी होगा। कंपनी का मानना है कि यह नया प्लांट भारत और आसपास के बाजारों में वाहनों की बढ़ती मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस बीच, टोयोटा भारतीय बाजार में अपनी नई पीढ़ी की फॉर्च्यूनर और हाइलक्स को उतारने की तैयारी में भी जुटी है।

नई फॉर्च्यूनर में ज्यादा शार्प डिजाइन, नई एलईडी हेडलाइट्स और एक चौड़ी ग्रिल देखने को मिलेगी।

इसके इंटीरियर में दो 12.3 इंच की स्क्रीन, कनेक्टेड कार तकनीक, 360 डिग्री कैमरा और एडीएएस फीचर्स जैसे आधुनिक फीचर्स दिए जा सकते हैं। टोयोटा का दृढ़ विश्वास है कि भारत आने वाले वर्षों में उसके लिए एक महत्वपूर्ण मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात केंद्र के रूप में उभरेगा। टोयोटा कंपनी की इस महत्वाकांक्षी परियोजना से लगभग 2800 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा।

कोटयार्क इंडस्ट्रीज का बड़ा ऐलानः 1 शेयर पर 10 बोनस शेयर

मुंबई। माइक्रो-कैप कंपनी कोटयार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों के लिए बड़ा ऐलान कर दिया है। कंपनी के बोर्ड ने 10ः1 के अनुपात में बोनस शेयर बांटने की मंजूरी दी है, जिसका अर्थ है कि निवेशकों को उनके प्रत्येक 1 शेयर पर 10 बोनस शेयर दिए जाएंगे। यह पहली बार है जब कंपनी अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी कर रही है। हालांकि, बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट की घोषणा अभी नहीं की गई है। इस घोषणा के बाद, कोटयार्क इंडस्ट्रीज के शेयर शुक्रवार को बीएसई पर उछाल के साथ 446.30 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले पांच साल से भी कम समय में यह मल्टीबैगर स्टॉक 400 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया है। 18 नवंबर 2021 को जहां यह शेयर 88.30 रुपये पर था, वहीं 15 मई 2026 तक यह 446.30 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के शेयरों ने हाल के महीनों में भी शानदार प्रदर्शन किया है। बीते छह महीनों में इसमें 80 प्रतिशत से अधिक का उछाल दर्ज हुआ है। वहीं, इस साल अब तक कोटयार्क इंडस्ट्रीज के शेयरों में 85 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। बीते चार महीनों में यह स्टॉक 110 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। इसका 52 हफ्ते का शीर्ष स्तर 448.35 रुपये और निचला स्तर 318.30 रुपये है। वित्तीय मोर्चे पर भी कोटयार्क इंडस्ट्रीज ने मजबूत प्रदर्शन किया है। 31 मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 9.38 करोड़ हो गया, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 1.51 करोड़ रुपये था। इसी तिमाही में कंपनी का राजस्व भी सालाना आधार पर 221 प्रतिशत बढ़कर 63.66 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कोटयार्क इंडस्ट्रीज बायोडीजल मैन्युफैक्चरिंग और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में सक्रिय है, जो वेस्ट कुकिंग ऑयल, वेजिटेबल ऑयल्स और एनिमल फैट्स से बायोडीजल का उत्पादन करती है।

निवेशकों की होगी चांदी, एलएंडटी, हैवेल्स, जीएम ब्रुअरीज कंपनी देंगी डिविडेंड

नई दिल्ली। शेयर बाजार में डिविडेंड से कमाई करने वाले निवेशकों के लिए अगला हफ्ता अहम रहने वाला है। लार्सन एंड टुब्रो, एलएंडटी फाइनेंस, एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज, सुला वाइनयार्ड्स, हैवेल्स इंडिया, जीएम ब्रुअरीज, ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी समेत कई कंपनियों ने डिविडेंड देने का ऐलान किया है। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक इन कंपनियों के शेयर 19 मई 2026 से 22 मई 2026 के बीच एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। डिविडेंड का फायदा पाने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड तारीख से पहले शेयर खरीदने होंगे। एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज ने 40 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी ने 22 मई 2026 को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इसके बाद लार्सन एंड टुब्रो ने 38 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है। वहीं ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी 11.70 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देगी। जीएम ब्रुअरीज ने 9 रुपए प्रति शेयर, जबकि विनाइल केमिकल्स इंडिया ने 7 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड का ऐलान किया है। हैवेल्स इंडिया ने भी 6 रुपए प्रति शेयर का अंतिम डिविडेंड घोषित किया है। कंपनी ने शेयरधारकों की पात्रता तय करने के लिए 24 मई 2026 को रिकॉर्ड डेट रखा है। इसके अलावा जिंदल सॉ और सुला वाइनयार्ड्स 2-2 रुपए प्रति शेयर का अंतिम डिविडेंड देंगी। वहीं एलएंडटी फाइनेंस ने 2.75 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड का ऐलान किया है। अलिकॉन कास्टअलॉय, वर्कमेट्स और मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर ने भी अंतरिम डिविडेंड का ऐलान किया है। मैन इन्फ्राकंस्ट्रक्शन 0.72 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देगा, जबकि अतिशय ने 1 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है।

अगली पीढ़ी को एयरटेल की कमान सौंपने की तैयारी में सुनील मित्तल

नई दिल्ली। दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज सुनील भारती मित्तल ने अगले दशक में भारती एयरटेल की बागडोर नई पीढ़ी को सौंपने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना का खुलासा कर दिया है। इस परिवर्तन से पहले, उनकी प्राथमिक इच्छा प्रवर्तक कंपनी भारती टेलीकॉम में एयरटेल की 50 प्रतिशत से अधिक नियंत्रक हिस्सेदारी फिर से हासिल करना है। यह कदम कंपनी के भविष्य के लिए एक मजबूत और एकीकृत नियंत्रण संरचना सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण रणनीति का हिस्सा है। वर्तमान में, मित्तल और सिंगटेल समूह के स्वामित्व वाली भारती टेलीकॉम के पास एयरटेल में 40.47 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि प्रवर्तक कंपनियों का कुल स्वामित्व 48.87 प्रतिशत है। भारती मित्तल ने भारती एयरटेल की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा के दौरान कहा कि उनका लक्ष्य है कि अगली पीढ़ी को कमान सौंपते समय तक भारती टेलीकॉम को 51 प्रतिशत या उससे थोड़ी अधिक नियंत्रक शेयरधारिता हासिल हो जाए।

मित्तल ने बताया कि एयरटेल में भारती टेलीकॉम की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत बढ़ाने के लिए मौजूदा शेयर मूल्य और बाजार पूंजीकरण के आधार पर करीब एक लाख करोड़ रुपये की बड़ी पूंजी की आवश्यकता होगी। उनका मूल विचार यह है कि कंपनी का नियंत्रण एवं प्रवर्तक शेयरधारिता एक ही इकाई, यानि ऐतिहासिक रूप से संस्थापक प्रवर्तक रही भारती टेलीकॉम, के माध्यम से होनी चाहिए।

इस लक्ष्य को अगले तीन से चार वर्षों में एयरटेल के प्रदर्शन, शीर्ष प्रबंधन के संचालन और मजबूत नकदी प्रवाह सृजन पर निर्भर करते हुए प्राप्त करने की योजना है। सिंगटेल के पास एयरटेल में लगभग सात प्रतिशत प्रत्यक्ष हिस्सेदारी है, और उसकी हिस्सेदारी घटाने की प्रक्रिया जारी है।

सीधी, सिंगरौली प्रभा

शनिवार, 16 मई 2026

प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने किये मां शारदा देवी के दर्षन

मैहर मध्यप्रदेश शासन की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री तथा मैहर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने शुक्रवार को जिले के प्रवास के दौरान मां शारदा देवी के दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों के साथ मां शारदा लोक के प्रस्तावित कार्य स्थलों का भी अवलोकन किया। प्रभारी मंत्री ने आल्हा ताल और दूल्हा देव मंदिर, बावड़ी सहित परिक्रमा पथ का भ्रमण कर अवलोकन किया। इस दौरान विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, एसडीएम दिव्या पटेल, सीएसपी महेन्द्र सिंह, विनीत पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कोठी-रैगांव महाविद्यालयों के लिए मिलेगा अपना भवन

सतना सतना जिले के कोठी और रैगांव में संचालित शासकीय महाविद्यालयों के भवन निर्माण के लिए नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार से भेंटकर मांग पत्र सौपा है। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा उच्च शिक्षा मंत्री को बताया कि रैगांव विधानसभा क्षेत्र के कोठी और रैगांव में महाविद्यालय तो शुरू हो चुके हैं, लेकिन आज तक उनके स्थायी भवन नहीं बन पाए हैं। वर्तमान में दोनों कॉलेज किराये के भवनों में संचालित हो रहे हैं, जिससे छात्रों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं।

सतना में कृषि रथ का होगा संचालन 16 मई से 10 दिवसीय अभियान शुरू

सतना मध्यप्रदेश शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेश में कृषि वर्ष के रूप में मनाए जाने के उपलक्ष्य में कृषि रथ संचालन के निर्देश दिये गये है। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा जारी आदेश के अनुसार कृषि रथ के सफल संचालन के लिए जिला स्तरीय एवं विकासखण्ड स्तरीय क्रियान्वयन समितियों का गठन किया गया है। जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति कृषि रथ के संचालन, निर्णय लेने और साप्ताहिक समीक्षा का कार्य करेगी, जबकि विकासखण्ड स्तर पर संबंधित अधिकारियों की समिति ग्राम पंचायतवार रूट चार्ट तैयार कर भ्रमण कार्यक्रम को क्रियान्वित करेगी।

फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर 18 मई को जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक

सीधी पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण वर्ष 2026 के संबंध में जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक का आयोजन 18 मई 2026 को दोपहर 2 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन श्री विकास मिश्रा करेंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में पंचायत निर्वाचन से संबंधित फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा, आवश्यक दिशा-निर्देशों एवं प्रक्रियात्मक बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

कोतवाली थाना सीधी में स्थापित होगा 'संकेत संवाद मध्यस्थता केंद्र'

सीधी न्याय तक समावेशी पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत कोतवाली थाना सीधी को 'संकेत संवाद मध्यस्थता केंद्र' के रूप में विकसित किया गया है। केंद्र का उद्घाटन 16 मई को प्रातः 10.30 बजे वर्चुअल माध्यम से किया जाएगा। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रयासों से राज्य के विभिन्न जिलों में कार्यरत श्रवण एवं वाक् बाधित पेशेवरों तथा सांकेतिक भाषा दुभाषियों को 40 घंटे का विशेष मध्यस्थता प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

अभियान चलाकर फैसला हो चुके प्रकरणों के अभिलेख दुरुस्त कराएं - कलेक्टर

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

राजस्व न्यायालयों में समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने कलेक्टर के निर्देश

राजस्व विभाग के मूल कार्यों को दे प्राथमिकता - कलेक्टर

सीधी जिले में राजस्व प्रशासन को अधिक सक्रिय, जवाबदेह और परिणामोन्मुख बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा ने राजस्व अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि राजस्व विभाग के मूल दायित्वों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और नागरिकों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि सभी राजस्व न्यायालयों में प्रतिदिन नियमित सुनवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। साथ ही 31 दिसंबर 2025 की स्थिति में जिन प्रकरणों का निर्णय हो चुका है, उनके अभिलेखों को तत्काल दुरुस्त कर रिकॉर्ड अद्यतन करने के निर्देश दिए, ताकि राजस्व अभिलेखों में शुद्धता और विश्वसनीयता बनी रहे। बैठक में राजस्व वसूली कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बकाया प्रकरणों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व संग्रहण शासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, इसलिए वसूली कार्य में ठोस परिणाम दिखने चाहिए। अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई को लेकर कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासकीय एवं सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जों को हटाने के लिए प्रभावी और सतत अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं होगी। बैठक में अनुपयोगी एवं अप्रासंगिक रिकॉर्डों के विनष्टीकरण के लिए समिति गठित कर नियमानुसार प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए गए, ताकि अभिलेख प्रबंधन अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बन सके। जिले के औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से कलेक्टर ने औद्योगिक क्षेत्रों के लिए उपयुक्त भूमि के चिन्हांकन एवं सीमांकन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निवेश और रोजगार सृजन के लिए भूमि संबंधी तैयारियां समय रहते पूरी की जानी चाहिए।

टाउन हॉल सतना में शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026 का शुभारंभ

सतना नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी शुक्रवार को टाउन हॉल सतना में आयोजित -शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026- के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में महापौर योगेश कुमार ताम्रकार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सुष्मिता सिंह, डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते, जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी रितिका दुबे, खेल अधिकारी एसपी तिवारी, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग के. के. शुक्ला सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि यह योजना युवाओं को अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्र सेवा की भावना से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ लेने और अपने भविष्य को सशक्त बनाने का आह्वान किया। राज्यमंत्री ने कहा कि यह 45 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण योजना प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर युवक-युवतियों को सैन्य बल, पुलिस, होमगार्ड एवं अन्य सुरक्षा सेवाओं में भर्ती के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से युवाओं को बेहतर अवसर प्रदान किए जाएंगे और उनमें अनुशासन एवं आत्मविश्वास का विकास होगा। कार्यक्रम के अंत में राज्यमंत्री ने कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है, और ऐसे प्रशिक्षण अभियान युवाओं के सपनों को नई दिशा देने का कार्य करते हैं।

महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि दुनिया में कई ऐसे देश है। जहां के सभी नागरिकों को युवा अवस्था में ही सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। देश में कई बेटियां सुरक्षा और सशस्त्र बलों में शामिल होकर अपने शौर्य का परचम लहरा रही है। रीवा और सतना की बेटी अवनी चतुर्वेदी फाइटर प्लेन चला रही है।

राम कथा से जीवन का उद्धार ही सार्थक साधन.. योगाचार्य

सिंगरौली जिले के चितरंगी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत कर्थुआ में सरपंच आशीष कुमार गुप्ता एवं स्वामी पद्मनाभानंद महराज योगाचार्य के सहयोग से 14 मई से 21 मई तक सायं 4"30 बजे से कथा वाचक पर पवन देव महाराज वृन्दावन के मुखारविंद से राम नाम की गंगा का प्रवाह जन जन तक पहुंचाने के साथ श्री अयोध्या धाम के रूप में कर्थुआ के गलियारों को सजाया गया है इस आयोजन में मुख्य रूप से सहयोगी उमेश द्विवेदीजानकी पाठक जगन्नाथ मिश्रा मिथीलेश द्विवेदी रमाशंकर मिश्रा सीतल गुप्ता हरीश पाठक मोतीलाल गुर्जर कुलदीप यादव कमलभान सिंह पन्नालाल गुप्ता बिनोद चौबे रमेश गोस्वामी बी डी शर्मा अर्चना सिंह कमलेन्द सिंह अन्जनी गुर्जर रमाशंकर पाठक का सहयोग सराहनीय रहा।

श्रीमद् भागवत कथा में सुनाई कपिल भगवान के जन्म की कथा

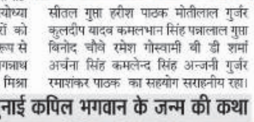

मैहर। संगीतमई श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन संगीता सुशील बाजपेयी के आयोजकत्व में किया जा रहा है। शुक्रवार की कथा में व्यासपीठ आचार्य रामेश्वर नारायण जी महाराज ने बताया कि कपिल मुनि का जन्म ब्रह्मा के मानस पुत्र कर्दम ऋषि के घर हुआ। जब कर्दम ऋषि ने संन्यास लिया तब कपिल मुनि ने अपनी माता देवहुति को योग और ज्ञान का उपदेश देकर उन्हें मोक्ष का मार्ग दिखाया। राजा सगर के 60,000 पुत्रों ने अश्वमेध यज्ञ के घोड़े को चोरी के आरोप में कपिल मुनि के आश्रम में परेशान किया जिससे क्रोधित होकर उन्होंने अपनी आँखों से उन्हें भस्म कर दिया। कपिल मुनि ने बताया था कि इन 60,000 पुत्रों की आत्मा की मुक्ति केवल गंगा जल से ही संभव है, जिसके बाद भागीरथ ने गंगा को पृथ्वी पर लाया। मान्यता है कि कपिल मुनि ने उत्तराखंड के पौड़ी जनपद श्रीनगर के पास 10 हजार वर्षों तक तपस्या की थी।

सतना जिले को मिली 50 मेगावाट सौर ऊर्जा पार्क की सौगात

राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने नवकरणीय ऊर्जा मंत्री से भेंट कर जताया आभार

सतना नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी के प्रयासों से सतना जिले को 50 मेगावाट सौर ऊर्जा सह ऊर्जा भण्डारण पार्क परियोजना की सौगात मिली है। परियोजना की स्वीकृति मिलने पर राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला से भेटकर सतना जिले को 50 मेगावाट सौर ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण परियोजना की स्वीकृति मिलने पर आभार व्यक्त किया।

प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को पूरा करने के लिए मंत्रि परिषद के निर्णय अनुसार सतना जिले में 300 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना (4 घंटे ऊर्जा भंडारण सहित), 300 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना (6 घंटे ऊर्जा भंडारण सहित) तथा 200 मेगावाट 24 घंटे उपलब्धता वाली सौर ऊर्जा परियोजना हेतु मंजरी दी गई है।

मध्यप्रदेश के सतना जिले में 50 मेगावाट सौर ऊर्जा सह ऊर्जा भण्डारण पार्क परियोजना का विकास किया जायेगा। सौर पार्क के विकास एवं परियोजना डेवलपर्स के चयन हेतु रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर को सौर ऊर्जा पार्क विकासक के रूप में नियुक्त किया गया है। यह परियोजना सतना के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे, उद्योगों एवं निवेश को बढ़ावा मिलेगा तथा क्षेत्रीय विकास एवं आधारभूत सुविधाओं में सुधार आएगा।

विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने निषादराज के आदर्शों का किया स्मरण

केवट जयंती पर ग्राम खोखरा में कार्यक्रम आयोजित

सीधी केवट जयंती के अवसर पर जनपद पंचायत कुसमी अंतर्गत ग्राम खोखरा में मछुआ समिति द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में धौहनी विधायक श्री कुँवर सिंह टेकाम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने निषादराज जी के आदर्श जीवन, समरसता, भाईचारे और सामाजिक एकता के संदेश पर प्रकाश डाला।

विधायक श्री टेकाम ने अपने संबोधन में कहा कि निषादराज का चरित्र त्याग, सेवा, समर्पण और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के प्रति निषादराज की निष्ठा, मित्रता और सहयोग भारतीय संस्कृति में आदर्श संबंधों की प्रेरणादायी मिसाल है।

आज के समय में समाज को ऐसे ही आदर्शों को आत्मसात करते हुए आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केवट समाज का सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक योगदान महत्वपूर्ण रहा है। समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर विकास की धारा में आगे बढ़ना ही सच्ची सामाजिक समरसता है।

कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी श्री ज्ञानेन्द्र मिश्र, बीआरसीसी श्री अंगिरा प्रसाद द्विवेदी, मछुआ समिति एवं केवट समाज के पदाधिकारी, समाजजन तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने केवट जयंती उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई।

सांसद एवं विधायक की उपस्थिति में 65 हितग्राहियों को सहायक उपकरण वितरित

सीधी सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जनपद पंचायत कुसमी में भारत सरकार की वयोश्री योजना एवं एडिप योजना अंतर्गत दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों के लिए सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 65 हितग्राहियों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप व्हीलचेयर, ट्राई साइकिल, मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, श्रवण यंत्र, सुगम्य केन, आईडी किट सहित अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए। साथ ही मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत दो हितग्राहियों को उच्च शिक्षा में सहयोग हेतु लैपटॉप भी प्रदान किए गए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को अधिक सम्मानजनक, आत्मनिर्भर और सुगम बनाना सरकार की प्राथमिकता है। सहायक उपकरण केवल सुविधा का साधन नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, स्वावलंबन और जीवन में नई गति प्रदान करने का माध्यम हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान हमारी विरासत को संजोने का अभियान-कमिष्नर

सुतीक्षण मुनि आश्रम में जल संरक्षण अभियान के तहत कार्यक्रम संपन्न

सतना मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, मझगवां के तत्वावधान में ऐतिहासिक एवं पावन सुतीक्षण मुनि आश्रम परिसर में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन को लेकर एक विशाल जनजागरूकता का जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रीवा संभाग के कमिश्नर बी. एस. जामोद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुतीक्षण मुनि के पूज्य स्वामी महेशानंद महाराज ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सतना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम मझगवां महिपाल सिंह गुर्जर, जन अभियान परिषद संभाग के संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक, जिला समन्वयक सतना डॉ. राजेश तिवारी, जनप्रतिनिधि प्रमोद द्विवेदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ आश्रम परिसर स्थित जल स्रोत के विधिवत पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों, सीएमसीएलडीपी छात्रों, स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं, सरपंच-सचिवों एवं ग्रामीणों ने सामूहिक श्रमदान करते हुए गायत्री कुंड की साफ-सफाई की गई। श्रमदान के दौरान लगातार एक घंटे श्रमदान कर बंद पडे कुड के जल श्रोत्रों को पुनर्जीवित किया। इसके उपरांत जल संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें जल संकट और उसके समाधान को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्य अतिथि संभागायुक्त बीएस जामोद ने कहा कि जल ही जीवन है, यह केवल एक नारा नहीं बल्कि हमारे अस्तित्व की सच्चाई है। सरकार जल संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है, लेकिन जब तक आमजन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक हम जल संकट से प्रभावी रूप से नहीं निपट पाएंगे। सुतीक्षण मुनि आश्रम से प्रारंभ हुआ यह अभियान पूरे संभाग में नई चेतना जगाने का कार्य करेगा।

माइक्रो प्लान बनाकर प्रत्येक गांव में पेयजल पहुंचाने की समय-सीमा तय करें-राधा सिंह

जनगणना में समय से पूर्व काम पूरा करने वाले प्रगणकों को दिये प्रषस्ति पत्र

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक संपन्न

मैहर मध्यप्रदेश शासन की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री तथा मैहर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने कहा कि सतना बाणसागर समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत लक्षित गांव में प्रत्येक गांव की माइक्रो योजना बनाकर पेयजल पहुंचाने की समय-सीमा तय करें। प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक में जनगणना, उपार्जन, मां शारदा के प्रथम चरण, जल गंगा संवर्धन अभियान और जल निगम के कार्यों की समीक्षा की गई। इस मौके पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी, पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, डीएफओ विद्याभूषण मिश्रा, अपर कलेक्टर सुश्री संजना जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जल निगम की सतना बाणसागर समूह जल प्रदाय योजना की समीक्षा में बताया गया कि 1135 करोड रूपये लागत की योजना में सतना और मैहर जिले के 980 ग्राम शामिल किये गये है। जिनमें सतना जिले के 420 और मैहर जिले के 560 गांव शामिल है। योजना की भौतिक प्रगति 95 प्रतिशत है और मैहर जिले के 136 गांव में पेयजल का पानी दिया जा रहा है। इस योजना में मैहर जिले के अमरपाटन के 170, रामनगर के 166 और मैहर के 224 गांव तथा सतना जिले के उचेहरा के 211 तथा रामपुर बघेलान के 209 गांव में हर घर नल से जल पहुंचाया जायेगा।

योजना को 31 दिसम्बर 2026 तक पूर्ण करने की तिथि संभावित है। उपार्जन कार्य की समीक्षा में बताया गया कि मैहर जिले में 42 उपार्जन केन्द्र निर्धारित किये गये है।

16 मई को मनाया जाएगा 11वां राष्ट्रीय डेंगू दिवस, जनभागीदारी से डेंगू नियंत्रण का संदेश

'जांच करें, सफाई करें और ढकें' थीम के साथ जागरूकता गतिविधियां होंगी आयोजित

सीधी जिले में 16 मई 2026 को 11वां राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाएगा। मानसून पूर्व डेंगू नियंत्रण गतिविधियों को प्रभावी बनाने तथा आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से यह दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस वर्ष राष्ट्रीय डेंगू दिवस की थीम डेंगू नियंत्रण के लिए जनभागीदारीरू जांच करें, सफाई करें और ढकें- निर्धारित की गई है। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में वर्ष 2025 में डेंगू के 49 मरीज चिन्हित किए गए थे, जबकि जनवरी 2026 से 15 मई 2026 तक 13 डेंगू मरीज सामने आ चुके हैं। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू नियंत्रण एवं रोकथाम के प्रयासों को और तेज करने की तैयारी की है।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस का उद्देश्य डेंगू वाहक एडीज मच्छर के प्रजनन को रोकना, संक्रमण के प्रसार को कम करना और जनसमुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि डेंगू एक वायरस जनित बीमारी है, जो एडीज मच्छर के काटने से फैलती है। यह मच्छर प्रायः साफ एवं ठहरे हुए पानी में पनपता है और दिन के समय अधिक सक्रिय रहता है। डेंगू से बचाव के लिए नागरिकों से घर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की गई है। कूलर, पानी की टंकियां, फ्रिज की ट्रे, फूलदान, पक्षियों के पानी के बर्तन और अन्य जल संग्रहण स्थलों को सप्ताह में कम से कम एक बार साफ एवं सुखाकर ही पुनः उपयोग करने की सलाह दी गई है।

धन के लोभी के पास सच्चाई नहीं रहती और व्यभिचारी के पास पवित्रता नहीं रहती।
- चाणक्य

16 राज्यों में 36 करोड़ मतदाताओं का महासत्यापन चुनाव आयोग के लिए चुनौती

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हाल ही में खत्म हुए हैं। इसके तुरंत बाद भारत निर्वाचन आयोग ने 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 36 करोड़ मतदाताओं के सत्यापन के लिए एसआईआर की अधिसूचना जारी कर दी है। अभी तक चुनाव आयोग ने दो चरणों में 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 59 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन का काम किया है। इसमें अभी तक 5.50 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाये गये हैं। इसको लेकर लगातार विवाद देखने में मिलते रहे हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, अभी तक इस पर सुप्रीम कोर्ट से कोई निर्णय नहीं आया है। चुनाव आयोग जो एसआईआर करा रहा है, उसका अधिकार उसे है या नहीं, अभी यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले से इसकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। इसी बीच बिहार सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव भी हुए हैं, जिनमें पश्चिम बंगाल भी शामिल था। पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। चुनाव आयोग ने यहां के लिए जो नियम बनाए थे, वह बिहार एवं अन्य राज्यों के नियमों से अलग थे। पश्चिम बंगाल में करीब 1 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। करीब 63 लाख मतदाताओं के नाम 2003 की मतदाता सूची में होते हुए भी स्पेलिंग या अन्य कारणों से हटाए गए थे। इसमें से करीब 28000 मतदाताओं ने ट्रिब्यूनल में अपील भी की है। उन मतदाताओं को मतदान में भाग नहीं लेने दिया गया। पिछले तीन माह में एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों और उन नागरिकों के बीच में तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उनका अधिकार छीन लिया गया है।

प. बंगाल में एसआईआर के बाद ममता सरकार बुरी तरह से पराजित हुई है। जितने नाम एसआईआर में हटाये गए, उससे कम मतों से टीएमसी के उम्मीदवार पराजित हुए हैं। यह विवाद चल रहा था, इस बीच रही-सही कसर बिहार और पश्चिम बंगाल की सरकार ने जलती हुई आग में घी डालने का काम किया है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उन्हें नागरिक नहीं माना जाएगा। जो मतदाता सूची में नहीं है, उन्हें सरकारी स्तर पर जो सुविधाएं मिल रहीं थीं, वह आगे नहीं मिलेंगी। इसी बीच चुनाव आयोग द्वारा 36 करोड़ मतदाताओं को एसआईआर के दायरे में लाने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसे आसानी से स्वीकार किया जाएगा, इसमें संदेह है। सुप्रीम कोर्ट से अभी तक चुनाव आयोग को एसआईआर को लेकर एक तरह का संरक्षण मिलता रहा है। अब जिस तरह से प्रतिक्रिया हो रही है, उससे चुनाव आयोग की चुनौतियां भविष्य में बढ़ती हुई दिख रही हैं। सुप्रीम में जो सुनवाई चल रही है, उसमें न्यायपालिका के ऊपर याचिकाकर्ताओं का दबाव बनना शुरू हो गया है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग एसआईआर का काम करा पाएगा या नहीं, इसमें संदेह है। विपक्ष इस मामले में जिस तरह से एकजुट हुआ है। महंगाई और बेरोजगारी का असर अब आम जनता को सीधे प्रभावित कर रहा है। यह मामला अब केवल चुनाव आयोग तक सीमित नहीं रह गया है। इसे नागरिक अधिकार से भी जोड़कर देखा जाने लगा है। नागरिकता तय करने का अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। यह अधिकार भारत सरकार के गृह मंत्रालय के पास है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग मतदाता को भारतीय नागरिक है, या नहीं, इस आधार पर मतदाताओं के नाम कैसे काट सकता है। जिस तरह से पश्चिम बंगाल और बिहार सरकार ने राज्य सरकार की सुविधायें बंद करने और नागरिक नहीं मानने की बात कहना शुरू कर दी है, इसके बाद सुप्रीम कोर्ट पर इस मामले में निर्णय देने का दबाव बनेगा। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर विपक्षी दलों को विश्वास नहीं है। चुनाव आयोग के ऊपर लगातार आरोप लग रहे हैं। वह सरकार के इशारे पर भाजपा को मदद कर रहा है। चुनाव आयोग के खिलाफ संसद में महाभियोग पेश हो चुका है। जिस कानून के तहत चुनाव आयुक्त की नियुक्ति हुई है, सुप्रीम कोर्ट में उसे चुनौती देते हुए याचिका लगाई गई, जिस पर सुनवाई चल रही है। अगले साल कुछ राज्यों में चुनाव होने हैं। 2029 में लोकसभा चुनाव होंगे। यह बात अब स्पष्ट रूप से समझ आने लगी है। 2029 के लोकसभा चुनाव के पहले केंद्र सरकार के इशारे पर मतदाता सूची के शुद्धिकरण के नाम पर एक विशेष वर्ग के नाम मतदाता सूची से काटने की जो मुहिम चुनाव आयोग ने चला रखी है, इसका विरोध करने के लिए नागरिक और राजनीतिक दल अब सड़कों पर उतरेंगे। चुनाव आयोग के लिए अब एसआईआर का काम इतना आसान नहीं होगा, जितना चुनाव आयोग सोच रहा है। वर्तमान स्थिति में जनगणना का काम शुरू हो गया है। बहुत बड़ा सरकारी अमला जनगणना के काम में लगा हुआ है। महंगाई, बेरोजगारी को लेकर आम जनता वैसे ही नाराज है। जिस तरह से मतदाता सूची सत्यापन के लिए मतदाताओं को परेशान होना पड़ रहा है, वह आग में घी डालने की तरह हो सकता है। चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है।

दवा नहीं, जहर का कारोबार- भारत की साख पर संकट

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को 'फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड' कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुर्माने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है। रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है।

राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है।

देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं।

यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे 'विफलताओं' नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाने, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं।

कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है। मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में भारत को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह पूरी दुनिया देख रही है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश डिजिटल क्रांति में अग्रणी बन चुका है। करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले, गांवों तक बिजली पहुंची, मुफ्त राशन योजना से गरीबों को सुरक्षा मिली और भारत वैश्विक मंचों पर मजबूत आवाज बनकर उभरा।

कांग्रेस के शासनकाल में भारत को हर छोटे संकट में विदेशी संस्थाओं और देशों के सामने झुकना पड़ता था। कभी अमेरिका के दबाव में निर्णय लिए जाते थे तो कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की शर्तों पर देश की नीतियां तय होती थीं। लेकिन आज भारत दुनिया की आंखों में आंखें डालकर जवाब देता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत विदेशी निर्भरता कम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए।

सोने के आयात को कम करने की अपील भी इसी सोच का हिस्सा है। भारत हर वर्ष भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर खर्च करता है। यदि संकट के समय कुछ समय के लिए संयम बरता जाए तो उससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक नहीं बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है।

पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विठ्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई पर नामदेव खाली ही रहे।

वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सकूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विठ्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया।

स किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, 30 अमावस्या, शनिवार, भरणी नक्षत्रे, शोभन योगे, वल करणे, मेष की चंद्रमा, अमावस्या वट सावित्री व्रत, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम प्रकृति वाला, जिद्दी-हठी, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिन्सपल, उत्तम व्यापारी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, लेखक-कवि, राजदूत एवं प्रशासनिक अधिकारी होगा।

मेष राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक रहेगा, कार्यगति में सुधार, शुभ समाचार अवश्य मिलेगा।
वृष राशि :- कुछ बाधायें कष्टप्रद रखें, शरीर कष्ट, कारोबार में बाधा अवश्य बनेगी, ध्यान दें।
मिथुन राशि :- कार्य-कुशलता से संतोष, परिश्रम सफल होगा, स्त्री से सुख प्राप्त होगा।
कर्क राशि :- समय पर सोचे हुए कार्य होंगे, व्यवसाय क्षमता में वृद्धि होगी।
सिंह राशि :- कुटुम्ब की समस्याएं सुलझें तथा सुख शांति से समय व्यतीत होवेगा।
कन्या राशि :- स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, आशानुकूल सफलता का हर्ष, बिगड़े कार्य बनेंगे।
तुला राशि :- योजनाएं पूर्ण होंगी, सतर्कता से कार्य निपटा लेवें, रुके कार्य बन जायेंगे।
वृश्चिक राशि :- कार्यगति उत्तम, चिन्ताएं कम हों, प्रभुत्व एवं प्रतिष्ठा अवश्य मिलेगी।
धनु राशि :- आशानुकूल सफलता का हर्ष, कार्यगति उत्तम, भावनाएं संवेदनशील रहेंगी।
मकर राशि :- अधिकारी वर्ग के तनाव से क्लेश, मानसिक अशांति, कार्य अवरोध होगा।
कुंभ राशि :- मनोबल बनाये रखें किन्तु आपके हाथ से कुछ नया कार्य अवश्य ही होगा।
मीन राशि :- दैनिक कार्यगति उत्तम, कुटुम्ब में सुख, समय उत्तम ही बीतेगा।

ज्ञान, विज्ञान और मानवता का प्रकाश

हर वर्ष 16 मई को अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस मनाया जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि यह दिवस विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति, ऊर्जा, चिकित्सा, संचार जैसे क्षेत्रों में और देश व समाज के सतत विकास(सस्टेनेबल डेवलपमेंट) के क्रम में प्रकाश के महत्व को समझाने और प्रकाश के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल मनाया जाता है। वास्तव में प्रकाश से तात्पर्य केवल और केवल भौतिक रोशनी से नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, जागरूकता, आशा, नवाचार और मानव प्रगति का प्रतीक भी है। धर्म, भाषा और सीमाओं से परे प्रकाश सार्वभौमिक(यूनिवर्सल) है तथा कला से लेकर दर्शन तक इसे सदैव ज्ञान और सकारात्मकता के प्रतीक के रूप में देखा गया है। सच तो यह है कि आधुनिक जीवन की रीढ़ ही प्रकाश है और बिना प्रकाश विज्ञान के आज डिजिटल इंडिया, वैश्विक कनेक्टिविटी तथा आधुनिक तकनीक की कल्पना भी संभव नहीं है। वास्तव में, अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि यानी लेज़र के सफल संचालन का ही उत्सव नहीं है, बल्कि यह मानवता के अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा का भी प्रतीक है। कहना गलत नहीं होगा कि यह दिवस विज्ञान और मानवता के बीच एक सेतु का कार्य करता है तथा हमें ज्ञान, विज्ञान और सकारात्मक सोच का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा देता है।

पाठक जानते होंगे कि भारतीय संस्कृति में भी प्रकाश को अत्यंत पवित्र और ज्ञानदायी माना गया है। उपनिषदों का प्रसिद्ध मंत्र तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात् हे प्रभु! हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो के बारे में आखिर कौन है जो नहीं जानते ? प्रकाश केवल बाहरी अंधकार से उजाले की ही बात नहीं करता है, बल्कि यह मनुष्य के अज्ञान, भय, भ्रम और नकारात्मकता से ज्ञान, सत्य और सकारात्मकता की ओर लगातार बढ़ने का संदेश देता है और आज के समय में तो यह संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। हमारे यहां दिवाली प्रकाश का सबसे बड़ा त्योहार है, जबकि लोक संस्कृति में लालटेन उत्सव भी उजाले, आशा और मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक माना जाता है। इतना ही नहीं, सामाजिक जीवन में शिक्षा, जागरूकता और नैतिक मूल्यों का प्रकाश समाज को आगे बढ़ाने का कार्य करता है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के मुख्य उद्देश्यों की बात करें तो, अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस का मुख्य उद्देश्य प्रकाश विज्ञान और ऑप्टिकल तकनीकों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना, विज्ञान और तकनीक को समाज के विकास से जोड़ना, ऊर्जा, स्वास्थ्य, इंटरनेट और संचार में प्रकाश आधारित तकनीकों के योगदान को रेखांकित करना, युवाओं को विज्ञान एवं अनुसंधान के प्रति प्रेरित करना तथा देशों के बीच वैज्ञानिक सहयोग और शांति को बढ़ावा देना है। यूनेस्को के अनुसार यह दिवस विज्ञान, संस्कृति, कला, शिक्षा और सतत विकास में प्रकाश की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। वास्तव में यह दिवस इस बात की याद दिलाता है कि विज्ञान और तकनीक का सही उपयोग मानव कल्याण, शांति और सतत विकास के लिए कितना आवश्यक है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि पहली बार यह दिवस 16 मई 2018 को मनाया गया था। 16 मई 1960 को अमेरिकी वैज्ञानिक थियोडोर मैमन ने पहली बार सफलतापूर्वक लेज़र का संचालन किया था और इसी ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस के रूप में चुना गया। सरल शब्दों में कहें तो यह दिन भौतिक विज्ञानी और इंजीनियर थियोडोर मैमन द्वारा लेज़र के पहले सफल संचालन की वर्षगांठ का प्रतीक है। गौरतलब है कि लेज़र का आविष्कार चिकित्सा, संचार और तकनीक के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी मोड़ साबित हुआ तथा वर्ष 2015 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रकाश एवं प्रकाश-आधारित प्रौद्योगिकी वर्ष घोषित किया गया था तथा इसके बाद वर्ष 2017 में यूनेस्को ने आधिकारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस घोषित किया।

अन्य दिवसों की भांति हर वर्ष इस दिवस की भी एक विशेष थीम/विषय-वस्तु रखी जाती है इस साल यानी कि वर्ष 2026 की थीम प्रकाश, विज्ञान और समाज = नवाचार और प्रभाव को आगे बढ़ाना रखी गई है। यह थीम समाज में विज्ञान और प्रकाश आधारित तकनीकों के सकारात्मक प्रभाव को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। वहीं वर्ष 2025 की थीम सतत भविष्य के लिए प्रकाश रखी गई थी, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया था कि प्रकाश आधारित तकनीकें सौर ऊर्जा और ऊर्जा-कुशल लाइटिंग के माध्यम से वैश्विक ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन से निपटने में कैसे मदद कर सकती हैं। बहरहाल, यदि हम यहां पर प्रकाश की बात करें तो वास्तव में प्रकाश एक प्रकार की ऊर्जा है, जो हमें वस्तुओं को देखने में सक्षम बनाती है। यह विद्युतचुंबकीय तरंगों(इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्स) के रूप में यात्रा करता है तथा सूर्य इसका(प्रकाश) सबसे बड़ा प्राकृतिक स्रोत है। सरल शब्दों में कहें तो जब किसी वस्तु से निकलने वाली रोशनी हमारी आंखों तक पहुंचती है, तब हम उस वस्तु को देख पाते हैं। प्रकाश की प्रमुख विशेषताओं में यह शामिल है कि प्रकाश सीधी रेखा में चलता है, तथा इसकी गति लगभग 3 लाख किलोमीटर प्रति सेकंड होती है। इतना ही नहीं, यह निर्वात यानी वैक्यूम में भी यात्रा कर सकता है। परावर्तन और अपवर्तन इसके(प्रकाश के) महत्वपूर्ण गुण हैं तथा इन्हीं के कारण हमें रंग दिखाई देते हैं। प्रकाश के प्राकृतिक स्रोतों में सूर्य, तारे, जुगनू और बिजली की चमक शामिल हैं, जबकि बल्ब, मोमबत्ती, ट्यूबलाइट, टॉर्च और एलईडी इसके कृत्रिम स्रोत हैं। प्रकाश न केवल देखने के लिए आवश्यक है, बल्कि पौधों में प्रकाश संश्लेषण के लिए भी अत्यंत जरूरी है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि सूर्य का प्रकाश पृथ्वी तक पहुंचने में लगभग 8 मिनट 20 सेकंड लेता है तथा इंद्रधनुष प्रकाश के सात रंगों से बनता है। लेज़र भी प्रकाश का एक विशेष रूप है।

आज के समय में प्रकाश आधुनिक जीवन की आधारशिला बन चुका है। सच तो यह है कि बिना प्रकाश विज्ञान के आज का हाई-स्पीड इंटरनेट संभव नहीं हो सकता है। दरअसल, फाइबर ऑप्टिक केबलों में प्रकाश संकेतों के जरिए इंटरनेट चलता है और यही आधुनिक वैश्विक संचार प्रणाली की सबसे बड़ी ताकत है। सरल शब्दों में कहें तो इंटरनेट भी एक प्रकार से प्रकाश की देन है। आज के समय में चिकित्सा क्षेत्र में लेज़र सर्जरी, आंखों के ऑपरेशन, कैंसर के इलाज और एक्स-रे जैसी तकनीकों में प्रकाश आधारित विज्ञान का उपयोग जीवनरक्षक उपकरण के रूप में हो रहा है। यहां तक कि अंतरिक्ष अनुसंधान, उपग्रह संचार और वैज्ञानिक खोजों में भी प्रकाश की महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि क्षेत्र में विशेष एलईडी प्रकाश आधुनिक खेती और ग्रीनहाउस तकनीकों में पौधों की वृद्धि के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहा है। इतना ही नहीं, ऊर्जा क्षेत्र में भी प्रकाश की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

फिल्म वर्ग पहेली- 7204

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुरा के दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,१,२
६. जिमी शेरगिल, ऋषिता को 'आंखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सजना चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-३
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नव्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रुत मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों ने मार' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेंहदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बम्बई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'ओ बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नहीं' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. "तुम्हें जिंदगी के" गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरुख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२६. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेखा फर्नांडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7203

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो के लिए चीन ने लिया चालाकी से काम

बीजिंग। बीजिंग द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो चीन में कैसे प्रवेश कर सके? दरअसल, यह चीन द्वारा अपनाई भाषाई तरकीब और राजनयिक प्रोटोकॉल की बदौलत संभव हुआ। अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो पर चीन ने सीनेटर रहते हुए दो बार प्रतिबंध लगाए थे। बीजिंग द्वारा रुबियो के नाम के लिप्यंतरण में बदलाव करने के बाद रुबियो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चीन की पहली यात्रा पर उनके साथ गए। रिपोर्ट बताया गया कि चीन ने यह चालाकी से किया है। इस यात्रा के आधिकारिक दस्तावेजों में उनके नाम की वर्तनी अलग है।

चीन से दोस्ती के बीच क्यूबा में अमेरिका की बड़ी घेराबंदी सीआईए प्रमुख ने किया गुप्त दौरा

वाशिंगटन। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात कर अच्छे संबंधों का दावा कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका ने चीन, रूस और ईरान के रणनीतिक गढ़ माने जाने वाले क्यूबा की घेराबंदी तेज कर दी है। ट्रंप की इस कूटनीति के बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ ने अचानक क्यूबा का दौरा किया। रैटक्लिफ ने क्यूबा के गृह मंत्री लाजारो अल्वारेज कासास और पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के पोते सहित शीर्ष अधिकारियों से सीधी बातचीत की।

अनोखी घटना- मां के गर्भ से दो बार जन्मा एक ही बच्चा

लंदन। चिकित्सा विज्ञान ने ऐसा चमत्कार कर दिखाया है जिसने सभी को हैरान कर दिया। यह अनोखी घटना मेडिकल जगत में चर्चा का विषय बनी हुई है। यह हैरान करने वाली घटना है एक नवजात शिशु का अपनी जिंदगी बचाने के लिए मां के गर्भ से दो बार जन्म लेना। बच्चे का नाम कैसियन जौबर्ट है, जिसकी जिंदगी बचाने के लिए डॉक्टरों ने बेहद जोखिम भरी और दुर्लभ सर्जरी का सहारा लिया। इस पूरे मामले को चिकित्सा विज्ञान की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। कैसियन की मां के एशर और पिता ग्रेग जौबर्ट को जनवरी 2025 में पता चला था कि उनके घर दूसरा बच्चा आने वाला है। परिवार इस खबर से बेहद खुश था।

अमेरिका में सोना रखना था अपराध, जनता से जबरन छीना था गोल्ड

वाशिंगटन। आज के दौर में सोना सुरक्षित निवेश और संपन्नता का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है, लेकिन इतिहास के पन्नों में एक ऐसा अध्याय भी दर्ज है जब दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अमेरिका में सोना रखना एक गंभीर कानूनी अपराध बन गया था। यह घटना साल 1933 की है, जब अमेरिका ग्रेट डिप्रेशन यानी महामंदी की भीषण मार झेल रहा था।

पश्चिम एशिया में शांति के लिए भारत ने यूएई के साथ खड़े रहने का दिया भरोसा

यूएई पहुंचे पीएम मोदी का हुआ जबरदस्त स्वागत

-ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र समेत कई अहम समझौते

-रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, एलपीजी आपूर्ति और 5 अरब डॉलर निवेश पर सहमति

अबू धाबी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने पांच देशों के दौरे के पहले चरण में संयुक्त अरब अमीरात पहुंचकर भारत-यूएई संबंधों को नई मजबूती दी।

अबू धाबी पहुंचने पर यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने उनका भव्य स्वागत किया। यूएई वायुसेना के एफ-16 लड़ाकू विमानों ने प्रधानमंत्री मोदी के विमान को एस्कॉर्ट किया, जिसे प्रधानमंत्री ने भारत के लिए सम्मान बताया। इस दौरे के दौरान दोनों नेताओं के बीच हुई प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में रक्षा, ऊर्जा, निवेश और समुद्री सुरक्षा जैसे कई अहम मुद्दों पर सहमति बनी। भारत और यूएई ने रणनीतिक रक्षा साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक नए फ्रेमवर्क पर सहमति जताई। इसके अलावा रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व स्थापित करने तथा भारत को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

गुजरात के वाडिनार में जहाजों की मरम्मत के लिए एक विशेष क्लस्टर विकसित करने पर भी सहमति बनी है। माना जा रहा है कि इन समझौतों से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री ढांचे को नई मजबूती मिलेगी।

5 अरब डॉलर निवेश का ऐलान

यूएई की ओर से भारतीय बुनियादी ढांचे, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में कुल 5 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश की घोषणा की गई। यह निवेश भारत के वित्तीय और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में पूंजी प्रवाह बढ़ाने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (एफआईईओ) ने भी इस दौरे को भारत-यूएई व्यापारिक संबंधों के लिए महत्वपूर्ण बताया है। पश्चिम एशिया में शांति पर भारत का जोरप्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव और यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि भारत हर परिस्थिति में संयुक्त अरब अमीरात के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि -यूएई को जिस तरह निशाना बनाया गया, वह पूरी तरह अस्वीकार्य है। कठिन परिस्थितियों में आपने जो संयम और साहस दिखाया है, वह प्रशंसनीय है।+ प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हमेशा समस्याओं के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देता है।

जिनपिंग की चेतावनी पर ताइवान का पलटवार: चीन ही क्षेत्रीय असुरक्षा का मूल कारण

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे के दौरान हुई द्विपक्षीय वार्ता में ताइवान का मुद्दा गर्माया हुआ है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस मामले को बेहद संवेदनशील बताकर अमेरिका को टकराव की चेतावनी दी, जिस पर ताइवान ने पलटवार कर चीन को ही क्षेत्रीय असुरक्षा का एकमात्र कारण बताया। बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी बैठक के दौरान, शी ने कहा कि ताइवान मुद्दा चीन-अमेरिका संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण है और इस मुददे को गलत तरीके से संभाला गया तब यह बहुत खतरनाक स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि ताइवान की स्वतंत्रता और क्रॉस-स्ट्रेट शांति आग और पानी की तरह एक-दूसरे के विपरीत हैं।

चीनी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि अगर ताइवान के मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला गया, तब दोनों देशों के बीच टकराव और यहां तक कि संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है, जिससे पूरे द्विपक्षीय संबंध खतरे में पड़ जाएंगे। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ताइवान पर अपना दावा करती है और उसने कसम खाई है कि जरूरत पड़ने पर वह इसे जबरदस्ती अपने नियंत्रण में ले लेगी।

लेकिन जिनपिंग के इस बयान पर ताइवान ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ताइवान कैबिनेट के प्रवक्ता मिशेल ली ने कहा, ताइवान स्ट्रेट और हिंद-प्रशांत इलाके में असुरक्षा का एकमात्र स्रोत चीन का सैन्य खतरा है। उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रक्षा क्षमताओं को लगातार बेहतर बनाने और प्रभावी संयुक्त निवारण को सबसे जरूरी कारक बताया।

गौरतलब है कि अमेरिका लोकतांत्रिक तरीके से काम कर रहे ताइवान के साथ मजबूत अनौपचारिक संबंध रखता है, लेकिन चीन के संभावित हमले की स्थिति में अमेरिकी सैन्य दखल पर वह जानबूझकर कुछ भी स्पष्ट नहीं कहता, जिसे रणनीतिक अस्पष्टता कहा जाता है।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति शी की चेतावनी को दोहराया। इस बीच, ट्रंप ने बीजिंग में ऐतिहासिक टेंपल ऑफ हेवन का दौरा कर यूनेस्को धरोहर स्थल और चीन की जमकर सराहना की, लेकिन ताइवान से जुड़े सवालों पर वे पूरी तरह मौन रहे।

चीन से ही ट्रंप ने ईरान को दी चेतावनी- समझौता करो या विनाश झेलने को तैयार रहो

ट्रंप ने बताया कि शी चिनफिंग मेरी बात से सहमत

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी 3 दिवसीय चीन यात्रा के अंतिम चरण में ईरान को लेकर सबसे कड़ा रुख अख्तियार किया है। बीजिंग में दिए एक विशेष साक्षात्कार में ट्रंप ने स्पष्ट चेतावनी दी कि ईरान के पास अब केवल दो ही रास्ते बचे हैं, या वह परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय संघर्ष को खत्म करने के लिए समझौता करे, या फिर विनाश का सामना करने के लिए तैयार रहे। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा, और उसकी वर्तमान आर्थिक व सैन्य स्थिति को तबाह बताया। उन्होंने कहा कि ईरान अब खत्म हो चुका है, और उसके पास समझौता करने या फिर पूरी तरह से खत्म हो जाने का विकल्प है।ट्रंप ने बताया कि उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ ईरान मुद्दे पर चर्चा की है। उनके अनुसार, राष्ट्रपति शी भी अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होते देखना चाहते हैं और उन्होंने मदद की पेशकश भी की। ट्रंप ने दावा किया कि शी ने आश्वासन दिया है कि चीन ईरान को सैन्य उपकरण नहीं देगा, बावजूद इसके कि चीन वर्तमान में ईरान के 90 प्रतिशत तेल का सबसे बड़ा खरीदार है और तेहरान के साथ उसकी रणनीतिक साझेदारी है। ट्रंप ने चिनफिंग को मिलनसार और काम पर केंद्रित नेता बताया, जिनके साथ उनके संबंध बेहद सफल रहे हैं। उन्होंने अपने स्वागत में हुए सैन्य सम्मान समारोह को अद्भुत बताया, जिसकी तुलना हॉलीवुड के दृश्यों से की। ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई का बचाव कर ट्रंप ने उसकी सैन्य क्षमताओं पर भी तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने उन्हें बताया कि अमेरिका ईरान के खार्ग द्वीप को महज चार से पांच मिनट में पूरी तरह बर्बाद कर सकता है।

पाकिस्तान में सेना के कैंप पर आत्मघाती हमला, 15 सैनिकों की मौत

-टीटीपी ने ली हमले की जिम्मेदारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत स्थित बाजौर में सेना के एक कैंप पर बड़ा आत्मघाती हमला हुआ है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, इस हमले में कम से कम 15 पाकिस्तानी सैनिकों की जान चली गई है। आतंकियों ने इस हमले को एक सोची-समझी साजिश के तहत अंजाम दिया।

घटनाक्रम के मुताबिक, हमलावरों ने सबसे पहले सेना परिसर के एक हिस्से में जोरदार धमाका किया। इस विस्फोट से मची अफरा-तफरी का लाभ उठाकर भारी हथियारों से लैस आतंकवादी कैंप के भीतर घुस गए। इसके बाद सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच काफी देर तक भीषण मुठभेड़ जारी रही। आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने इस आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि यह हमला उनकी स्पेशल इस्तशहादी फोर्सेज द्वारा किया गया है।

अक्टूबर 2025 में क्वेटा में हुए हमले के बाद यह पहली बार है जब टीटीपी ने आधिकारिक तौर पर किसी आत्मघाती बम धमाके की जिम्मेदारी स्वीकार की है।

गौरतलब है कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत लंबे समय से उग्रवाद और आतंकवाद से प्रभावित रहा है और इस ताजा हमले के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को बेहद कड़ा कर दिया गया है। हैरानी की बात यह है कि खैबर पख्तूनख्वा में एक सप्ताह के भीतर यह दूसरा आत्मघाती हमला है। इससे पहले मंगलवार को लक्की मरवत जिले के नौरंग बाजार में विस्फोटकों से भरे एक ऑटोरिक्शा के जरिए धमाका किया गया था, जिसमें दो पुलिसकर्मियों और एक महिला सहित कई लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा, इसी साल फरवरी में भी इस प्रांत में हुए एक आतंकी हमले में 5 पुलिसकर्मियों और दो नागरिकों की जान गई थी।

स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में जहाजों की आवाजाही शुरू

-कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट

तेहरान। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्ग, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर बड़ी हलचल सामने आई है। ईरान ने दावा किया है कि इस रणनीतिक मार्ग से कुछ जहाजों को गुजरने की अनुमति दी गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल के कुछ घंटों में लगभग 30 जहाजों ने इस जलडमरूमध्य को पार किया है। इनमें विशेष रूप से कुछ चीनी जहाजों को ट्रांजिट की अनुमति दी गई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग ट्रैफिक में सक्रियता बढ़ी है।

इस घटनाक्रम का सीधा और सकारात्मक असर वैश्विक तेल बाजार पर पड़ा है। कच्चे तेल की सप्लाई बाधित होने की आशंका कम होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड ऑयल फ्यूचर्स 73 सेंट (लगभग 0.7प्रतिशत) गिरकर 104.90 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट फ्यूचर्स भी 20 सेंट की गिरावट के साथ 100.82 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

बाजार में यह गिरावट ऐसे समय में देखी गई है जब निवेशक अमेरिका में संभावित ब्याज दरों में बढ़ोतरी को लेकर पहले से ही चिंतित हैं। इस बीच, कूटनीतिक स्तर पर भी बड़ी प्रगति हुई है। व्हाइट हाउस के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक में इस बात पर सहमति बनी है कि ऊर्जा के मुक्त प्रवाह के लिए स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज का खुला रहना अनिवार्य है। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया के कुल तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है। यहां किसी भी तरह का तनाव या रुकावट सीधे तौर पर वैश्विक सप्लाई चेन और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है। हालांकि ईरान द्वारा जहाजों को अनुमति दिए जाने से फिलहाल तनाव में कुछ कमी आई है।

4.3 करोड़ अमेरिकी छात्र ऋण के बोझ तले- शिक्षा सचिव ने सुधारों का किया बचाव

वाशिंगटन। अमेरिका में कॉलेज शिक्षा की बढ़ती लागत पर लगाम लगने के प्रयासों के बीच, शिक्षा सचिव लिंडा मैकमोहन ने कांग्रेस को बताया है कि 4.3 करोड़ अमेरिकी छात्र वर्तमान में 1.7 ट्रिलियन डॉलर के भारी छात्र ऋण के बोझ में दबे हैं। प्रतिनिधि सभा की शिक्षा और कार्यबल समिति के समक्ष पेश होकर मैकमोहन ने व्यापक छात्र ऋण सुधारों का जोरदार बचाव किया। उन्होंने तर्क दिया कि असीमित संघीय ऋण व्यवस्था ने पूरे देश में कॉलेज की फीस में अत्यधिक वृद्धि की है, जिससे यह विशाल ऋण संकट पैदा हुआ है। उन्होंने कहा, हम पर 1.7 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है और 4.3 करोड़ छात्र इससे प्रभावित हैं। कॉलेज की लागत कम करने के लिए हमें वास्तव में कुछ ठोस करना होगा।

प्रशासन की उच्च शिक्षा सुधार योजना पर सुनवाई जल्द ही तीखी बहस में बदल गई, विशेष रूप से स्नातकोत्तर छात्रों के ऋण पर प्रस्तावित नई सीमाओं को लेकर। इन सीमाओं का असर नर्सिंग, शिक्षण और सामाजिक कार्य जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों पर पड़ने की आशंका है। डेमोक्रेटिक नेताओं ने चेतावनी दी कि ये बदलाव न केवल कार्यबल की कमी को और बढ़ा सकते हैं, बल्कि छात्रों को महंगे निजी ऋण विकल्पों की ओर धकेलने पर मजबूर कर सकते हैं। कनेक्टिकट के प्रतिनिधि जो कर्टनी ने आरोप लगाया कि देश गंभीर स्वास्थ्यकर्मी संकट से जूझ रहा है, ऐसे में प्रशासन उन्नत नर्सिंग शिक्षा को और अधिक महंगा बना रहा है। उनके अनुसार, कुछ स्नातकोत्तर नर्सिंग कार्यक्रम पहले ही नई संघीय ऋण सीमा से अधिक महंगे हैं। मैकमोहन ने इन आलोचनाओं को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि इन सुधारों का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालयों पर फीस कम करने का दबाव बनाना है। उन्होंने दावा किया कि नए नियमों की घोषणा के बाद कुछ विश्वविद्यालयों ने अपने स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की फीस घटानी शुरू कर दी है। मैकमोहन ने तर्क दिया कि वर्षों से संघीय ऋण नीतियों ने कॉलेजों को बिना किसी प्रभावी नियंत्रण के मनमानी फीस बढ़ाने की छूट दे रखी थी। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य उच्च शिक्षा की लागत को कम करना है। शिक्षा सचिव ने संघीय छात्र सहायता (एफएएफएसए) प्रणाली में किए गए अन्य सुधारों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नया एफएएफएसए आवेदन अब पहले से कहीं अधिक सरल हो गया है और इसे पूरा करने में कई दिनों के बजाय करीब 35 मिनट लगते हैं।

जिनपिंग ने ट्रंप की कर दी भयंकर बेइज्जती

अमेरिका को बताया गिरता हुआ देश

बीजिंग। ईरान और पश्चिम एशिया संकट के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा इस समय पूरी दुनिया में कौतूहल का विषय बनी हुई है। बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई कूटनीतिक मुलाकात के दौरान एक ऐसे बयान ने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है, जिसे अमेरिका के लिए एक बड़ा कूटनीतिक झटका माना जा रहा है। बैठक के दौरान शी जिनपिंग ने अमेरिका की ओर इशारा करते हुए उसे पतन की ओर जाता देश या गिरता हुआ राष्ट्र कह दिया। दिलचस्प बात यह है कि डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस बात पर जिनपिंग से सहमति जताई, लेकिन उन्होंने इस पूरे बयान की एक नई कूटनीतिक व्याख्या पेश की है।

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट के जरिए अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए अपनी सरकार का बचाव किया और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल पर निशाना साधा। ट्रंप का तर्क है कि जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अत्यंत नजाकत के साथ अमेरिका को एक संभवतः पतनशील राष्ट्र कहा, तो उनका इशारा उनके मौजूदा प्रशासन की तरफ नहीं, बल्कि बाइडन प्रशासन के उन चार वर्षों की तरफ था जिसमें अमेरिका को भारी नुकसान उठाना पड़ा। ट्रंप ने लिखा कि बाइडन के कार्यकाल को लेकर जिनपिंग की यह बात सौ फीसदी सही है, क्योंकि खुली सीमाओं, ऊंचे टैक्स, खराब व्यापार समझौतों और बढ़ते अपराध के कारण दो साल पहले तक अमेरिका सचमुच एक गिरता हुआ देश बन चुका था। हालांकि, यह पूरी तरह साफ नहीं हो सका है कि जिनपिंग ने यह टिप्पणी द्विपक्षीय निजी बातचीत में की या सार्वजनिक मंच पर। सार्वजनिक संबोधन के दौरान शी जिनपिंग ने थ्यूसिडिडीज ट्रैप की चेतावनी देते हुए कहा था कि दुनिया एक नए मोड़ पर है और क्या दोनों देश बड़ी शक्तियों के संबंधों का नया मॉडल बना सकते हैं? इसके साथ ही उन्होंने सदी के सबसे बड़े बदलावों का भी जिक्र किया, जिसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से स्थापित अमेरिकी वैश्विक व्यवस्था के कमजोर होने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरी ओर, ट्रंप ने दावा किया कि उनके दोबारा सत्ता में आने के बाद से अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड स्तर पर हैं,।

धरती के बेहद करीब से गुजरेगा एस्टेरॉयड, वैज्ञानिकों ने दिया सुरक्षा का भरोसा

न्यूयार्क। अगले हफ्ते एक एस्टेरॉयड, जिसका नाम 2026 जेएच2 है, हमारी पृथ्वी के बहुत करीब से गुजरने वाला है। नासा के वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि यह खगोलीय पिंड चंद्रमा की तुलना में काफी कम दूरी से निकलेगा, लेकिन अच्छी खबर है कि धरती से इसके टकराने की कोई आशंका नहीं है। यह एस्टेरॉयड करीब 90,917 किलोमीटर की दूरी से गुजरेगा, जो चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी का करीब एक चौथाई है। खगोलविदों के लिए इतनी नजदीकी से गुजरना एक दुर्लभ घटना है, फिर भी उन्होंने इसके गुजरने को पूरी तरह सुरक्षित बताया है। अमेरिका के कैनसास और एरिजोना की स्पेस ऑब्जरवेटरी के वैज्ञानिकों ने हाल ही में एस्टेरॉयड की खोज की है। इस अपोलो क्लास के एस्टेरॉयड के रूप में वर्गीकृत किया है, जिसका अर्थ है कि इसकी कक्षा पृथ्वी की कक्षा को पार करती है। वैज्ञानिक अभी तक इस एस्टेरॉयड को 24 बार ट्रैक कर चुके हैं और इसके आकार, गति तथा रास्ते को बेहतर ढंग से समझने का प्रयास कर रहे हैं। अनुमान है कि यह 50 से 100 फीट मोटा हो सकता है, जो एक छोटे भवन के बराबर है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस आकार का कोई पिंड धरती से टकराता है, तब वह एक पूरे शहर को नष्ट करने की क्षमता रखता है। हालांकि, इस मामले में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि वैज्ञानिकों ने इसके टकराने की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया है। नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी सहित दुनिया भर की खगोलीय वेधशालाएं इस एस्टेरॉयड की लगातार निगरानी कर रही हैं। कंप्यूटर सिमुलेशन और गणनाओं से पता चला है कि अगले सौ सालों तक 2026 छ्वा2 का धरती से टकराने का कोई खतरा नहीं है।

चीन में मार्को रूबियो के आने पर लगा है बैन, नाम बदलकर बीजिंग बुलाया

-ट्रंप के भी चीन में दो नाम प्रचलित हैं एक 'तेलांगपु' और दूसरा 'चुआनपु'

बीजिंग। चीन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा के बीच एक दिलचस्प कूटनीतिक कहानी सामने आई है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो पर चीन ने बैन लगा रखा था, लेकिन ट्रंप के साथ वह बुधवार को पहली बार चीन की धरती पर उतरे। सवाल यह है कि आखिर ये कैसे मुमकिन हुआ? चीन नहीं चाहता था कि रुबियो के ऊपर से प्रतिबंध हटाए जाएं, लेकिन वह यह भी नहीं चाहता था कि अमेरिकी विदेश मंत्री को देश में आने से रोककर एक डिप्लोमैटिक विवाद खड़ा किया जाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने इन सब से निपटने के लिए चाल चल। चीन ने मार्को रुबियो का नाम ही बदल दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो पर चीन ने 2020 में प्रतिबंध लगाया था। इसमें चीन में एंट्री से जुड़ा बैन भी था। दरअसल रूबियो तब सिर्फ सीनेटर थे।

वह चीन के शिनजियांग में उइगर मुसलमानों पर अत्याचार और हांगकांग की मानवाधिकार स्थिति को लेकर लगातार कड़ी आलोचना करते थे। इससे नाराज चीन ने मार्को रूबियो समेत कई अन्य नेताओं पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन अब तस्वीर बदल गई। ट्रंप ने उन्हें विदेश मंत्री बना दिया, जिस कारण चीन को मजबूरी में अपना रुख बदलना पड़ा। चीन ने साफ कहा कि रूबियो पर लगा प्रतिबंध उनके सीनेटर रहने के दौरान दिए गए बयानों के कारण है, न कि उनके मौजूदा काम के आधार पर।

चीन ने अपनी भाषा में मार्को रुबियो के नाम में छोटा सा बदलाव कर दिया, जिस कारण रूबियो के लिए चीन के दरवाजे खुल गए। चीन ने रूबियो के नाम का चीनी ट्रांसलिटरेशन बदल दिया यानी उनके नाम को चीनी भाषा में लिखने का तरीका बदल दिया। इससे तकनीकी तौर पर पुराने प्रतिबंध लागू नहीं होते और रुबियो की एंट्री का रास्ता साफ हो गया। रूबियो का स्टैंडर्ड चीनी नाम 'माक लूबि आओ' था। इसका उच्चारण थोड़ा अलग है।

रंगसंसार

सिस्टम का दमदार ट्रेलर रिलीज

प्राइम वीडियो की आगामी कोर्टरूम थ्रिलर फिल्म च्सिस्टमज् का ट्रेलर रिलीज हो गया है। निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी की यह फिल्म न्याय व्यवस्था, सामाजिक असमानता और बदले जैसे गंभीर मुद्दों पर आधारित है। फिल्म 22 मई को हिंदी में दुनियाभर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में स्ट्रीम होगी। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। ट्रेलर में सोनाक्षी सिन्हा एक महत्वाकांक्षी वकील च्नेहाज् के किरदार में दिखाई देती हैं, जिसे खुद को साबित करने की चुनौती मिलती है। वहीं ज्योतिका कोर्टरूम स्टेनोग्राफर च्सारिकाज् की भूमिका में नजर आएंगी। ट्रेलर में तेज-तर्रार बहस, भावनात्मक संघर्ष और कई रहस्यमयी मोड़ देखने को मिलते हैं। च्अमीरी के शोर में गरीब की आवाज खो जाती हैज्ज् जैसे संवाद कहानी की गंभीरता को और मजबूत बनाते हैं। फिल्म का निर्माण बावेजा स्टूडियोज के बैनर तले किया गया है। निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी ने कहा कि यह फिल्म समाज में मौजूद वर्गभेद और न्याय की असमान परिभाषाओं को उजागर करती है। सोनाक्षी सिन्हा ने अपने किरदार को करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक बताया। वहीं ज्योतिका का कहना है कि यह फिल्म आधुनिक भारत की असमानताओं को गहराई से दिखाती है।

वरुण और पूजा की केमिस्ट्री ने जीता दिल

फिल्म च्है जवानी तो इश्क होना हैज् का नया रोमांटिक गाना च्तेरा हो जाऊंज् रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। गाने में वरुण धवन और पूजा हेगड़े की शानदार केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। दोनों की फ्रेश जोड़ी स्क्रीन पर एक अलग ही ऊर्जा और रोमांटिक एहसास लेकर आई है, जिसने युवाओं के बीच इस गाने को तेजी से लोकप्रिय बना दिया है। वरुण धवन की सहज अदायगी और पूजा हेगड़े की ग्रेसफुल मौजूदगी ने गाने को खास बना दिया है। इस गाने को स्टेबिन बेन और जोनिता गांधी ने अपनी मधुर आवाज दी है। वहीं, इसका संगीत व्हाइट नॉइज़ कलेक्टिव्स ने तैयार किया है और बोल वायु ने लिखे हैं। गाने में आधुनिक रोमांस को बेहद खूबसूरती से पेश किया गया है, जिसकी वजह से यह इंस्टाग्राम रील्स और म्यूजिक प्लेलिस्ट्स में तेजी से ट्रेंड कर रहा है। दर्शकों का कहना है कि लंबे समय बाद ऐसा रोमांटिक ट्रैक आया है, जो सीधे दिल को छूता है। फिल्म च्है जवानी तो इश्क होना हैज् को डेविड धवन निर्देशित कर रहे हैं। टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को लेकर पहले से ही जबरदस्त उत्साह बना हुआ है और अब इस गाने ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

वेनिस में राधिका का रॉयल अंदाज

राधिका अंबानी एक बार फिर अपने शानदार फैशन सेंस को लेकर चर्चा में हैं। वेनिस बिएनाले में उनका बेहद रॉयल और एलिगेंट लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अंबानी परिवार की छोटी बहू राधिका ने इस खास मौके पर आइवरी और गोल्डन टोन वाला ऑफ-शोल्डर गाउन पहना, जिसमें वह किसी डिज्नी प्रिंसेस से कम नहीं लग रही थीं। उनके इस लुक ने फैशन प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। राधिका के गाउन का डिजाइन बेहद खास था। ड्रेस के ऊपरी हिस्से को ड्रेप्ड कॉर्सेट लुक दिया गया था, जिससे उनके पूरे आउटफिट को शानदार स्ट्रक्चर मिला। वहीं कमर के नीचे से गाउन का फ्लेयर्ड डिजाइन उसे और भी भव्य बना रहा था। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में राधिका का रॉयल अंदाज साफ नजर आ रहा है। राधिका ने अपने मेकअप को बेहद सिंपल और नेचुरल रखा। सॉफ्ट ब्राउन आई मेकअप और न्यूड पिंक लिप शेड ने उनके चेहरे की खूबसूरती को और निखार दिया। उन्होंने भारी ज्वेलरी की जगह सिर्फ गोल्डन फ्लोरल ईयररिंग्स और एक स्टेटमेंट रिंग पहनी, जिसने उनके पूरे लुक को क्लासी बना दिया। फैंस राधिका के इस अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

हर लड़की खुद को चिरैया से जोड़ रही है- दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता अपनी नई वेब सीरीज चिरैया को लेकर खूब वाहवाही बटोर रही हैं। जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के बाद से ही, यह सीरीज अपनी शानदार कहानी, सशक्त लेखन और सभी कलाकारों के बेहतरीन अभिनय को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है। शशांत शाह द्वारा निर्देशित यह 6-एपिसोड की भावनात्मक और मार्मिक सीरीज मैरिटल रेप और वैवाहिक दुर्व्यवहार जैसे बेहद गंभीर और संवेदनशील सामाजिक मुद्दों पर आधारित है। सीरीज चिरैया को लेकर अभिनेत्री दिव्या दत्ता का मानना है कि यह एक ऐसी सीरीज है, जिससे आज की हर लड़की और महिला अपने आपको गहराई से जोड़ पा रही है, क्योंकि यह समाज के एक कड़वे सच को उजागर करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पॉडकास्ट का वीडियो साझा किया, जिसमें वे चिरैया को मिल रही प्रतिक्रिया के बारे में बात कर रही थीं। वीडियो में दिव्या कहती हैं, हर कोई चिरैया देख रहा है और उससे प्रभावित हो रहा है। अभी हाल ही में मेरी मुलाकात एक मां से हुई, जिसे चिरैया देखने के बाद अपनी बेटी के ससुराल वालों से बात करने और उनका सामना करने की हिम्मत मिली है।

दिव्या दत्ता ने उस महिला का वाकया बताते हुए अपनी बात जारी रखी जहां मैं योगा करने जाती हूं, वहां पर एक महिला मेरे पास आई और बोली कि क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकती हूं, तो मैंने सोचा, योगा के बीच में कैसी बातें करें, तो मैंने उसे इंतजार करने के लिए बोला, लेकिन वह इसके लिए तैयार ही नहीं थी। वह मुझसे उसी वक्त बात करना चाहती थी। दिव्या ने आगे बताया कि उस महिला ने मुझसे कहा, मेरी बेटी को उसके ससुराल वालों ने छोड़ दिया है और मेरे अंदर बेटी के ससुराल वालों से बात करने की हिम्मत नहीं थी। फिर एक दिन मैंने चिरैया देखी और मैं उसे देखकर बहुत रोई। उस सीरीज को देखने के बाद मुझे उनका सामना करने और अपनी बेटी के हक के लिए खड़े होने की हिम्मत मिली।

दिव्या दत्ता ने उस पल के महत्व को समझते हुए कहा, सीरीज को लेकर हमें इस तरह की प्रतिक्रियाएं सुनने को मिल रही हैं। इसके बाद एहसास होता है कि यही तो है विजुअल मीडिया और एक ऐसी कहानी की ताकत। अगर कहानी को बेहतरीन ढंग से पेश किया जाए, उसमें सच्चाई और ईमानदारी हो, तो लोग उस कहानी से खुद को गहराई से जोड़ते हैं, और यह दृश्य को देखकर बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि समाज में अब इन मुद्दों पर एक नई लहर की शुरुआत हो चुकी है। मुझे कल की ही बात याद आ रही है कि किसी ने कहा था कि आजकल हर घर की यही कहानी है। हर कोई चिरैया देख रहा है।

रुबीना दिलैक चर्चा में

अभिनेत्री रुबीना दिलैक इन दिनों च्खतरों के खिलाड़ीज् को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने अपने शुरुआती संघर्ष और मदरहुड को लेकर खुलकर बात की। रुबीना ने बताया कि मां बनने के बाद पहली बार वह अपने बच्चों से दूर जा रही हैं और यह अनुभव उनके लिए भावनात्मक रूप से काफी कठिन है। उन्होंने कहा कि एक मां बनने के बाद हर समय बच्चों की चिंता मन में बनी रहती है। रुबीना ने बताया कि च्खतरों के खिलाड़ीज् उनके लिए सिर्फ एक रियलिटी शो नहीं, बल्कि खुद को दोबारा परखने का अवसर है। उन्होंने कहा कि मां बनने के बाद महिलाओं के शरीर में काफी बदलाव आते हैं और ऐसे में खतरनाक स्टंट करना चुनौतीपूर्ण महसूस होता है। इसके बावजूद वह खुद को मजबूत साबित करना चाहती हैं। अभिनेत्री ने अपने शुरुआती करियर के संघर्ष भी साझा किए। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उनके वजन और लुक्स का मजाक उड़ाया जाता था। कई लोगों ने उन्हें च्हिमाचली सेबज् कहकर चिढ़ाया। रुबीना ने कहा कि एक निर्देशक ने उन्हें यह कहकर रिजेक्ट कर दिया था कि उनके चेहरे पर बहुत नेगेटिविटी है और वह हीरोइन बनने लायक नहीं है। इस बात ने उनका आत्मविश्वास तोड़ दिया था।

पिता हमेशा कहा करते थे, लगे रहो बेटे, काम करते रहो- ईशा देओल

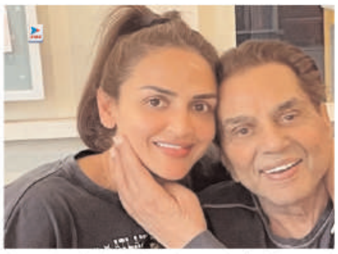

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल के लिए हमेशा ही सबसे बड़ी प्रेरणा उनके दिवंगत पिता अभिनेता धर्मेंद्र की सीख और विश्वास रहा है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान ईशा ने अपने नए बिजनेस के बारे में बात करते हुए भावुक अंदाज में बताया कि उनके पिता हमेशा उनकी रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करते थे। अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ने की हिम्मत देते थे।

ईशा ने मुंबई के रियल एस्टेट समूह च्द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ाज् के साथ मिलकर अलीबाग में लग्जरी विला डिजाइन प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि वह और उनके पिता घंटों तक अलग-अलग जगहों की बनावट, घरों की संरचना और साधारण स्थानों की खूबसूरती पर चर्चा किया करते थे। उन्होंने कहा कि उनके पिता अक्सर उन्हें एक ही बात कहते थे च्लगे रहो बेटे, करते रहो ज्ज् ईशा के मुताबिक यही शब्द आज भी उन्हें प्रेरित करते हैं और आगे बढ़ने का हौसला देते हैं। उन्होंने कहा कि पिता के विश्वास ने ही उन्हें अपने इस सपने को साकार करने की ताकत दी। अपने नए डिजाइन कारोबार का नाम ईशा ने च्ईशा धर्मेंद्र देओल डिजाइनज् रखा है। इस नाम के पीछे भी पिता से जुड़ी एक खास भावना है। उनके बिजनेस के लोगो में लालटेन का प्रतीक बनाया गया है, जिसे धर्मेंद्र ने खुद अपने हाथों से तैयार किया था।

पैसा बांटो,वोट लो, राज करो

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को पहले पैसा बांटो, वोट लो, जब चुनाव जीत जाओ तो राज करो। तमिलनाडु पश्चिम बंगाल इत्यादि राज्यों में यही देखने को मिल रहा है। राज्य सरकारों पर भारी कर्ज है। सपना मतदाताओं को बड़े-बड़े दिखा दिए गए हैं। जनता वोट देने के पहले नेताओं के दिखाए सपनों को सच मान लेते हैं।जब राज मिल जाता है, नेताओं के सपने जुमले में बदल जाते हैं।तब जनता को सपने परेशान करते हैं। राज करने के लिए सत्ता में बैठते ही खाली खजाने का रोना रोने लगता है। यही खेल कई वर्षों से चल रहा है नेता भी जानते हैं,राज कैसे मिलेगा। जनता भी जानती है, जो कुछ मिलना है, मतदान के पहले ले लो। सपने हैं, सपना का क्या?

कोरोना महामारी और युद्ध में मालामाल?

कोरोना की महामारी जब भारत में आई थी। उस समय 140 करोड़ जनता हैरान परेशान जान बचाने के लिए यहां से वहां घूम रही थी। लोग नंगे पैर सैकड़ो किलोमीटर चलकर अपने घर वापस लौट रहे थे। इस बीच भारत के बड़े-बड़े उद्योगपति कोरोना महामारी के समय भारी कमाई कर रहे थे। अमेरिका और ईरान के बीच अभी युद्ध चल रहा है। इसी बीच तेल का कारोबार करने वाली कंपनियां दिन दूनी और रात चौगुनी गति से मालामाल हो रही हैं। विधि का विधान है, एक का नुकसान होगा तो दूसरे का फायदा होगा। जिसका जन्म हुआ है वह मरेगा भी, करने के बाद फिर नया जन्म होगा। सबका अपना अपना भाग्य है।

मोदी जी ने दिया रेवंथ रेड्डी को साथ आने का प्रस्ताव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले दिनों तेलंगाना गए थे। एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री साथ-साथ थे। प्रधानमंत्री ने रेड्डी से कहा, वह उनके साथ आ जाएं। रेवंथ रेड्डी भाजपा के प्रोडक्ट हैं। अब कांग्रेस में है। सार्वजनिक रूप से प्रधानमंत्री द्वारा उन्हें आमंत्रण दिया गया है। उसको लेकर अब तरह-तरह की चर्चाएं राजनीति में शुरू हो गई हैं। भाजपा में इस समय आया-राम और गया-राम का बोलबाला है। भाजपा पूरी तरह से प्रोफेशनल हो गई है। विचारधारा से सरकार नहीं बनती है।मोदी-शाह इस सच को जानते हैं।

तमिलनाडु में राष्ट्रगीत बजा- बंगाल में नहीं

वंदे मातरम को लेकर पिछले कई वर्षों से बवाल मचा हुआ है। वंदे मातरम पश्चिम बंगाल से चलकर सारे देश में स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक बना। पश्चिम बंगाल के शपथ ग्रहण समारोह में जहां भाजपा के मुख्यमंत्री शपथ ले रहे थे।

दैनिक पंचांग

16 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.19 बजे से
चंद्र	मेष में	मिथुन	07.17 बजे से
मंगल	मेष में	कर्क	09.31 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.47 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	13.59 बजे से
शुक्र	मिथुन में	तुला	16.09 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.24 ब.से.
राहु	कुंभ में	धनु	20.40 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	22.45 बजे से
राहुकाल		कुंभ	00.32 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		मीन	02.04 बजे से
		मेष	03.35 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 136 वा दिन दिशाशूल पूर्व ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948 मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) पक्ष कृष्ण
तिथि अमावस्या 01.31 बजे रात्र को समाप्त। नक्षत्र भरणी 17.30 बजे को समाप्त। योग सौभाग्य 10.26 बजे को समाप्त। करण चतुष्पद 15.23 बजे तदनन्तर नाग 01.31 बजे रात्र को समाप्त। चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 03'
सूर्य उत्तरायन कलि अहर्गण 1872711
जूलियन दिन 2461176.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद तारीख 28
विशेष वट सावित्री व्रत, शनि जयंती, दर्श अमावस्या।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10	से	08.42 बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42	से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14	से	11.47 बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक	चर	11.47	से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक	रोग	01.19	से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक	काल	02.51	से	04.23 बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23	से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

राजनीति नहीं, मेरा काम सिर्फ लोगों का मनोरंजन करना है

गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने राजनीति में कदम रखने की अफवाहों को यह कहकर खारिज कर दिया कि वह लोगों का मनोरंजन करके बहुत खुश हैं। दोसांझ ने 'एक्स' पर एक आलेख साझा किया जिसमें यह अटकलें लगाई गई थीं कि क्या वैश्विक स्तर पर मशहूर पंजाबी गायक-अभिनेता ऐसी राजनीतिक हस्ती बन सकते है, जिसकी पंजाब को तलाश है। दोसांझ ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए लिखा, कभी नहीं... मेरा काम मनोरंजन करना है। मैं अपने क्षेत्र में बहुत खुश हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया था कि कैसे एक नागरिक समाज समूह, जागो पंजाब मंच ने सार्वजनिक रूप से दोसांझ से राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने की अपील की थी और उन्हें ऐसा नेता बताया था जिसकी 'आर्थिक तंगी और नशे की समस्या से जूझ रहे' पंजाब को जरूरत है। सेवानिवृत्त नौकरशाहों और सैन्यकर्मियों सहित अन्य लोगों के नेतृत्व वाले समूह ने तर्क दिया कि दोसांझ की लोकप्रियता का मूल कारण यही है कि उन्होंने कभी सत्ता पाने की लालसा नहीं रखी। वर्ष 2020 में, दोसांझ तब सुर्खियों में आए जब उन्होंने विवादास्पद कृषि विधेयकों के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया, जिन विधेयकों को बाद में केंद्र सरकार ने रद्द कर दिया था। हाल ही में, दोसांझ तब चर्चा में आए जब उन्होंने कनाडा में अपने संगीत कार्यक्रम में खालिस्तानी झंडे लहराए जाने पर आपत्ति जताई। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में, गायक को भीड़ में मौजूद प्रदर्शनकारियों से कड़े शब्दों में बात करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा, अगर आपको अब भी इस बात से परेशानी है कि मैं टीवी पर किसी के साथ बैठा था... तो जितना मन चाहे उतने झंडे लहराते रहो। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से कहा कि वे हंगामा बंद करें और कहीं और चले जाएं। दोसांझ को आखिरी बार बालीवुड की ब्लाकबस्टर फिल्म 'बार्डर 2' में देखा गया था और अब वे इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित रोमांटिक ड्रामा 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर तैयार हैं।

होर्मुज की तपिश में सरकार की छाँव

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने से देश की सरकार को हो रहा प्रतिदिन 1000 करोड़ का नुकसान।

मोदी सरकार की दूरदर्शिता से सभी घरों में जलते रहे चूल्हे, चलते रहे वाहन।

हालात बताते हैं कि बढ़ सकता है ऊर्जा संकट।

जनता की समझदारी व सहयोग ही देगा सरकार को इस मुसीबत से लड़ने की ताकत।

घर-परिवार हो या कोई देश आकस्मिक आपदा किसी पर भी कभी भी आ सकती है। विगत दिनों में ईरान और अमेरिका के युद्ध के चलते होर्मुज बंद हो गया, जिसके कारण जहाजों की आवाजाही बंद हो गई। युद्ध के शुरूआती दौर में तो यह लगा था कि तेल और गैस की किल्लत से सभी जगह त्राहि-त्राहि मच जायेगी लेकिन भारत में ऐसा नहीं हुआ। सभी घरों में चूल्हे जलते रहे, वाहन चलते रहे, बच्चों की पढाई सुव्यवस्था के साथ चलती रही। यह सब कुछ तभी संभव हो सका क्योंकि हमारा मुखिया, हमारा संरक्षक जिम्मेदार और दूरदर्शी है।

हमारी सरकार ने कुशल नेतृत्व के साथ इस मुसीबत की घड़ी में अपनी बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुए बढ़ती कीमतों के बोझ को अपने तक ही सीमित रखा, जनता को उस तकलीफ से रूबरू ही नहीं होने दिया। जबकि वास्तविकता तो यह है कि हमारी तेल कंपनियों को प्रतिदिन रू. 1000 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ रहा है, अर्थात थोड़े में कहें तो हमारी सरकार को इस युद्ध के कारण रू. 68,000 करोड़ का भारी नुकसान हुआ है। इसके अलावा इस युद्ध का बोझ हमारे तेल भंडारों पर भी पड़ रहा है, उनका स्तर निरंतर नीचे गिर रहा है और जिसको बनाये रखने में निवेश की आवश्यकता पड़ रही है। इस सब का असर सरकार के सेंट्रल एक्साइज पर भी पड़ रहा है। यानी तीन अलग-अलग दिशाओं में भारत को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

भारी नुकसान के चलते निरंतर गिरती अर्थव्यवस्था को समय रहते सुधारना ही होगा और इसके लिए सरकार के साथ प्रत्येक नागरिक का भी दायित्व है कि वो अपनी भागीदारी समझे। ऐसे कठिन समय में जब आर्थिक मार हर घर, हर व्यक्ति तक पहुँच गई हो, गाड़ियां खड़े होने के कगार पर हों, किसी भी सरकार के लिए बहुत आसान रास्ता था इस आर्थिक बोझ को जनता के ऊपर डालकर अलग हो जाना। लेकिन हमारी संवेदनशील सरकार ने अपनी सूझ बूझ से न केवल जनता को राहत दी बल्कि अपनी नीतिगत कुशलता से जनता को ऐसा छत्र दिया जिससे जनता का सामान्य जीवन अस्त व्यस्त होने से बच गया।

युद्ध न रुकने से जहाँ वैश्विक ऊर्जा संकट निरंतर बढ़ता ही जा रहा है वहीं होर्मुज का रास्ता साफ होने के भी कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि भविष्य में युद्ध विराम हो भी गया तो स्थिति को संभलने में कम से कम चार महीने लग जाएंगे, जिसके चलते अधिक समय तक तेल और गैस के दाम उच्च स्तर पर बने रह सकते हैं। परन्तु युद्ध के इस ग्यारहवें सप्ताह में सरकार द्वारा अपनाए वर्तमान मॉडल को यदि और आगे खींचा गया तो इसके प्रतिकूल प्रभाव हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ने लगेंगे इन परिस्थितियों में हमारे सामने तीन चुनौतियां हैं- पहली चुनौती तेल भंडार से जुड़ी है। भारत का तेल भंडार आज 5.33 मिलियन टन पर है, जो लगभग दो सप्ताह की आवश्यकता पूरी कर सकता है। आईईए मानक नब्बे दिनों का है। चंडीखोल, पादुर और बीकानेर में 6.5 मिलियन टन का दूसरा चरण निर्माणाधीन है, और इसे त्वरित समय-सीमा पर पूरा करना होगा। साथ ही, जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत ही ऐसा देश है जो 30-दिवसीय एलपीजी भंडार की योजना बना रहा है। इस युद्ध से उत्पन्न संकट से पता चलता है ये हमारी आज की आवश्यकता है।

दूसरी चुनौती रिफाइनिंग और घरेलू उत्पादन की है। हमें अपनी रिफाइनिंग क्षमता को बढ़ाना होगा। इसके लिए पहले ही कदम उठाये जा चुके हैं। नुमालीगढ़, जहाँ रु. 34,000 करोड़ की लागत से 3 से 9 एमएमटीपीए तक का विस्तार हो रहा है, उसे समय से पहले परिचालन में लाना होगा। बाड़मेर का संयंत्र अब परिचालन में है। पश्चिमी तट के एकीकृत संयंत्र विभिन्न चरणों में हैं। साथ ही घरेलू कच्चे तेल का उत्पादन, जो आज मांग का मात्र 12 प्रतिशत पूरा करता है, उसको बढ़ाना होगा।

तीसरी चुनौती इथनॉल ब्लेंडिंग की है, आज बीस प्रतिशत ब्लेंडिंग करके देश 1.5 लाख करोड़ से अधिक की विदेशी मुद्रा बचा पा रहा है। इस कठिन समय में वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से एल पीजी की मांग को 70 से 75 हजार टन प्रतिदिन कम किया जा रहा है। आर्थिक नीतियों के जानकारों का कहना है कि यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि पीएनजी, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल और बायो गैस की वैकल्पिक संरचना संकट आने से पहले ही तैयार कर ली गई थी।

'लोगों का आशीर्वाद मिलना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात'

मशहूर अभिनेता अमिताभ बच्चन ने अपने प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है कि मुझे इतने सारे लोगों का आशीर्वाद मिला है। अभिनेता ने अपने ब्लाग में हर रविवार अपने मुंबई स्थित आवास 'जलसा' के बाहर आयोजित होने वाले 'फैन मीटिंग सेशन' की तस्वीरें साझा की। बच्चन ने अपने पोस्ट में कहा, लोगों का आशीर्वाद मिलना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है। वे मुझे विश्वास दिलाते हैं, मुझे एक और दिन जीने की सांस देते हैं, वे मुझे काम करने के लिए, और भी ज्यादा मेहनत करने के लिए तथा अपना काम पूरा करने के लिए प्रेरित करते हैं। वे मेरा विस्तृत परिवार हैं। अभिनेता ने अपने कर्मचारियों से भी बेसब्री से उनका इंतजार करने वाले प्रशंसकों के साथ अच्छा व्यवहार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, इतनी देर तक तेज धूप में घंटों इंतजार करने वाले लोगों के साथ उचित शिष्टाचार से पेश न आना बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। जनता तो साक्षात ईश्वर का ही रूप है। वे असल में बस स्नेह, सम्मान और सद्भावना ही चाहते हैं। वे हमें इतना कुछ देते हैं। बदले में, हमें उनके लिए एक ऐसे आईने की तरह होना चाहिए जो उन्हें सिर्फ प्यार, इज्जत और सम्मान ही लौटाए। अभिनेता अपनी आने वाली फिल्म कल्कि 2898 एडी के सीक्वल और 'सेक्शन 84' में नजर आएंगे।

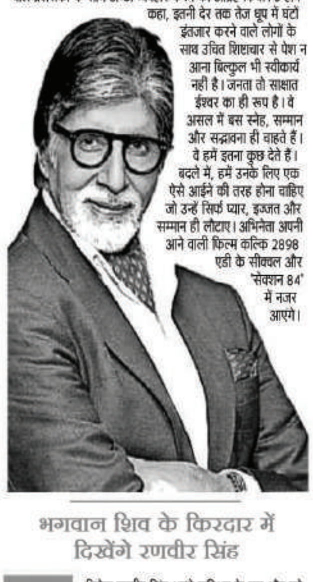

भगवान शिव के किरदार में दिखेंगे रणवीर सिंह

अभिनेता रणवीर सिंह अपने करिअर के एक और बड़े प्रोजेक्ट की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने अपने प्रोडक्शन बैनर 'मां कसम फिल्म' के तहत अमिश त्रिपाठी की लोकप्रिय किताब 'द इमार्टल्स आफ मेलुहा' के फिल्मी राइट्स हासिल कर लिए हैं

मुंबई इंडियंस से हारी पंजाब किंग्स की प्लेऑफ उम्मीदों को झटका

धर्मशाला। तिलक वर्मा और शार्दुल ठाकुर के अच्छे प्रदर्शन से मुम्बई इंडियंस ने यहां हुए आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह विकेट से हरा दिया। इस हार से मुम्बई इंडियंस की टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को करारा झटका लगा है क्योंकि 13 अंक लेकर वह अभी भी चौथे स्थान पर ही है। यह उसकी लगातार पांचवी हार है। शुरुआती मैचों में लगातार जीत दर्ज कर रही पंजाब इस मैच में भी कमजोर गेंदबाजी के कारण हार गयी। वहीं मुम्बई इंडियंस पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी थी।

थाईलैंड ओपन- सिंधु और लक्ष्य जीते, श्रीकांत व देविका बाहर हुए

बैंकॉक। भारत की पी वी सिंधु और लक्ष्य सेन यहां खेले जा रहे थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। वहीं किदांबी श्रीकांत और देविका सिहाग हार के साथ ही बाहर हो गये। छठी वरीयता प्राप्त सिंधु ने महिला एकल के दूसरे दौर में डेनमार्क की अमेली शूल्ज को केवल 28 मिनट में ही 21-13, 21-15 के सीधे गेम में हरा दिया। अब सिंधु का मुकाबला क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और दुनिया की तीसरी रैंकिंग वाली जापान की अकाने यामागुची से होगा। वहीं पुरुष एकल में, सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने चीनी खिलाड़ी झू शुआन चेन को सीधे गेम में 21-12, 21-13 से हरा दिया।

बीसीसीआई ने मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच पर जुर्माना लगाया

धर्मशाला। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पंजाब किंग्स के खिलाफ यहां हुए मुकाबले में आचार संहित उल्लंघन के लिए मुम्बई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। पोलार्ड पर अंपायर के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करने के लिए ये जुर्माना लगाया गया है। इस घटना ने जहां मुम्बई इंडियंस की जीत का स्वाद थोड़ा फीका , वहीं दूसरी ओर पोलार्ड के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक और नकारात्मक अंक जुड़ गया है, जो भविष्य में उनके लिए और मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

बांग्लादेश के शादमान पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए

जाकिर हसन शामिल

ढाका । बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बल्लेबाज शादमान इस्लाम चोटिल होने के कारण पाकिस्तान के खिलाफ 16 मई से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट से बाहर हो गये हैं। शादमान को मीरपुर में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान सीने में चोट लग गयी थी। ऐसे में उनकी जगह पर बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज जाकिर हसन को शामिल किया गया है। दूसरा टेस्ट 16 मई से सिलहट में शुरू होगा।

आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के करण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनो ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल।

ऋषभ पंत - लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाये और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाये। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेऑफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया। अक्षर पटेल - वहीं दिल्ली कैपिल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं। बनाए, जिसमें से 56 रन एक ही पारी में आए और बाकी 44 रन आठ पारियों में बने, जबकि उन्होंने ज्यादातर मैचों में शीर्ष पांच में बल्लेबाजी की। गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, 12 मैचों में 36 ओवर में 8.05 की इकोनॉमी से केवल 10 विकेट ही ले पाये। उनके कई फैसलों पर भी सवाल उठे।

अजिंक्य रहाणे - कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी टीम को प्रेरित करने में विफल रहे। वह टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे पर उसे एक भी मैच में तेज शुरुआत नहीं दिला पाये न ही अपने साथी अंगकृष रघुवंशी को तेज खेलने के लिए उत्साहित कर पाये।

रहाणे और अंगकृष की धीमी शुरुआत के कारण टीम दबाव में रही। रघुवंशी ने 139 से अधिक के स्ट्राइक-रेट से 340 रन बनाए, जबकि कप्तान रहाणे ने 133 के स्ट्राइक-रेट से 237 रन बनाए। दोनों ने शीर्ष तीन में बल्लेबाजी की, जिससे लगभग हर मैच में शुरुआती गति धीमी रही। इन दोनों ने 11 मैचों में मिलकर सिर्फ 25 छक्के लगाए, जो किसी भी टी20 टीम के लिए चिंताजनक है।

विराट ने बढ़ती उम्र में भी अपनी श्रेष्ठता साबित की : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल में आरसीबी की ओर से खेल रहे विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। गावसकर ने कहा कि बढ़ती उम्र में भी अपने प्रदर्शन से विराट ने साबित किया है कि उम्र बस एक एक संख्या है और उनका जुनून कभी खत्म नहीं होता। गावस्कर ने कहा कि कि जिस प्रकार से विराट आईपीएल में तेजी से रन बना रहे हैं उससे एक बार फिर उन्होंने दिखाया है कि लक्ष्य का पीछा करने में उनसे बेहतर कोई नहीं है। विराट ने जिस प्रकार से आईपीएल में अपना नौवां शतक लगाया है उससे पता चलता कि युवाओं के बीच भी उनका नंबर एक स्थान बना हुआ है। विराट ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में शतकीय पारी खेलने के अलावा जिस प्रकार से टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 14,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड बनाया है। वह भी दिखाता है कि 37 साल की उम्र में भी उनकी रनों की भूख और क्रिकेट के प्रति समर्पण पहले जैसा ही है।

गावस्कर ने कहा, केकेआर के खिलाफ मैच में विराट ने युवाओं को दिखाया कि लक्ष्य का पीछा करते समय पारी का निर्माण कैसे किया जाता है।

गावस्कर ने आगे कहा कि जब हर कोई इस सत्र में नई पीढ़ी के बारे में बात कर रहा था, तब कोहली ने अपनी पारी से दिखा दिया कि वह अभी भी मैदान पर मौजूद हैं और उनकी चमक बरकरार है। उन्होंने उन सभी आलोचकों को भी करारा जवाब दिया है जो उनपर संदेह कर रहे थे। गावस्कर के अनुसार, रिकॉर्ड तो टूटने के लिए बनते हैं पर विराट जिस तरह से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, मैच दर मैच, सत्र दर सत्र, उसकी बराबरी करने में किसी को भी बहुत लंबा वक्त लगेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही युवा सितारे अपने को साबित कर रहे हों पर अनुभवी विराट ने अभी तक अपनी जगह बरकरार रखी है। कोहली ने साबित किया कि पुरानी पीढ़ी अब भी सर्वश्रेष्ठ है।

अश्विन ने डीआरएस के डेड बॉल नियम को बदलने की मांग की

चेन्नई। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स टीम की हार के बाद एक बार फिर निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) के डेड बॉल नियम पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार इसी नियम का नुकसान पंजाब को हुआ है। अश्विन के अनुसार इस नियम को तत्काल बदल दिया जाये। इस मैच में पंजाब की पारी के अंतिम ओवर में मुंबई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पारी की आखिरी गेंद विष्णु विनोद के पैड पर डाली, जिस पर मैदानी अंपायर ने उन्हें तुरंत आउट करार दे दिया। विनोद ने तत्काल रिव्यू लेने का फैसला किया, और टीवी अंपायर ने रीप्ले देखने के बाद मैदानी अंपायर के फैसले को पलट दिया, जिससे विनोद को नॉट आउट घोषित किया गया। हालांकि, अंपायर द्वारा आउट दिए जाने के बाद गेंद को डेड घोषित कर दिया गया था, जिसके चलते पंजाब किंग्स को लेग-बाय का एक भी रन नहीं दिया गया। अश्विन ने इसी डेड बॉल नियम की व्याख्या पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जो उनके अनुसार टीम को अनावश्यक नुकसान पहुंचाता है।

इस घटना से नाराज रविचंद्रन अश्विन ने सोशल मीडिया पर इस नियम को कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा, गलत फैसले की वजह से पंजाब को एक रन का नुकसान हुआ और इस नियम को जल्द से जल्द बदलना चाहिए।

इस बार फीफा विश्वकप जीतना चाहेंगे रोनाल्डो

लिस्बन। पुर्तगाल की फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम अब तक कई खिताब है पर वह आज तक फीफा विश्व कप नहीं जीत पाये हैं। ऐसे में अब 41 साल के हो रहे रोनाल्डो के पास विश्वकप जीतने का अंतिम अवसर है जिसका वह पूरा लाभ उठाना चाहेंगे। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रहे रोनाल्डो ने अपने करियर में हर बड़ी ट्रॉफी जीती है पर विश्कप में अब तक वह सफल नहीं हुए है।

इसलिए वह इस बार इसे हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगे। विश्कप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा।

रोनाल्डो ने अब तक पुर्तगाल के लिए रिकॉर्ड 226 मैचों में 143 गोल किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में एक विश्व रिकॉर्ड है। यह आंकड़े उनकी अटूट प्रतिबद्धता और असाधारण कौशल को दिखाता है। इस साल की शुरुआत में उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव का पर अगर वह पूरी तरह से फिट हो जाते हैं तो उनका विश्वकप खेलना तय है।

यदि रोनाल्डो विश्व कप 2026 में खेलते हैं, तो वह लियोनेल मेसी के साथ छह विश्व कप खेलने वाले इतिहास के पहले पुरुष फुटबॉलर बन जाएंगे। रोनाल्डो ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। इससे इस विश्वकप का महत्व उनके लिए और बढ़ जाता है।

विश्वकप में पुर्तगाल को ग्रुप-के में रखा गया है, जहां उसे कोलंबिया, उज्बेकिस्तान और कांगो जैसी टीमों का सामना करना होगा। इस ग्रुप को देखते हुए, पुर्तगाल के अगले दौर में पहुंचने की संभावना काफी बेहतर मानी जा रही है। विश्व कप 2022 में पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी पर मोरक्को से 1-0 से मिली अप्रत्याशित हार के साथ वह बाहर हो गयी थी।

उस महत्वपूर्ण मुकाबले में रोनाल्डो दूसरे हाफ में बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान पर उतरे थे। इस बार, पुर्तगाल का पहला मुकाबला 17 जून को ह्यूस्टन में कांगो के खिलाफ खेला जाएगा।

ग्रुप में कोलंबिया जैसी मजबूत टीम भी पुर्तगाल को कड़ी चुनौती दे सकती है।

प्रीति जिंटा ने कठिन समय में अपनी टीम पंजाब किंग्स का हौंसला बढ़ाया

धर्मशाला। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की टीम को बेहतरीन शुरुआत के बाद पिछले पांच मैचों से लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। इसके बाद भी टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा का समर्थन टीम को मिला है। प्रीति जिंटा ने लगातार अपनी टीम का हौंसला कठिन समय में बढ़ाया है। अपनी मुस्कान और सकारात्मक ऊर्जा से वह एक उम्मीद की किरण बनी हुई हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली करारी हार के बाद भी प्रीति खिलाड़ियों के साथ नजर आयीं।

मुम्बई के खिलाफ मिली इस हार से पंजाब की प्लेऑफ की उम्मीदें जरुर कमजोर हुई पर इस मौके पर भी प्रीति ने स्टेडियम में मौजूद टीम प्रशंसकों को टी-शर्ट बॉटकर उनका दिल जीता। सोशल मीडिया पर प्रीति और प्रशंसकों के बीच इस दौरान हुई बातचीत की तस्वीरें भी तेजी से वायरल हुई, इसमें प्रशंसकों ने प्रीति के इस भाव की खूब सराहना की। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि प्रीति जिंटा अपनी टीम और उसके प्रशंसकों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं।

वह हर मैच में अपनी टीम का हौसला बढ़ाने के लिए स्टेडियम पहुँचती हैं। चाहे जीत हो या हार, वह हमेशा अपनी टीम और खिलाड़ियों के साथ खड़ी नजर आती हैं। यह उनकी अटूट निष्ठा और खेल भावना ही है जो पंजाब किंग्स के समर्थकों को भी मैदान में उनकी उपस्थिति से उत्साहित करती है। जहाँ आम तौर पर लगातार हार के बाद किसी भी टीम के माहौल में नकारात्मकता हावी हो जाती है, वहीं प्रीति जिंटा का धैर्य और सकारात्मक रवैया खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

श्रीजेश के आरोपों को टिर्की ने खारिज किया, बेहतर अनुभव के साथ करें वापसी

किसी खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया के दरवाजे बंद नहीं

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने पूर्व ओलंपियन पी आर श्रीजेश के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनके लिए कोच बनने की राह हमेशा खुली हुई है और बेहतर अनुभव लेकर वह जब चाहे आ सकते हैं पर उन्हें इस प्रकार आधारहीन आरोप नहीं लगने चाहिये। ये मामला जूनियर टीम के कोच पद से श्रीजेश को हटाकर यूरोप के अनुभवी कोच फ्रेडरिक सोयेज को नियुक्त करने के बाद शुरु हुआ। श्रीजेश ने कहा है कि अच्छ काम करने के बाद भी उन्हें हटाकर विदेश कोच रखा गया। इसपर हॉकी इंडिया ने कहा कि ये भविष्य की योजना के तहत किया गया है। टिर्की ने कहा कि भारतीय हॉकी में इस प्रकार की फूट डालो और राज करो की रणनीति अब स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सभी फैसले सामूहिक रूप से लिए जाते हैं और इनका लक्ष्य हॉकी की भलाई रहता है। टिर्की ने वह खिलाड़ी पहले हैं और खेल प्रशासक बाद में। टिर्की ने कहा कि उनके अध्यक्ष रहते हॉकी इंडिया में सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिए गए हैं और उनकी पहली प्राथमिकता खिलाड़ियों के प्रति है। इस कारण उन्होंने हमेशा खिलाड़ियों से सीधे बात की है

टिर्की ने कहा कि भारत के लिए खेल चुके खिलाड़ियों के लिए हॉकी इंडिया के दरवाजे कभी बंद नहीं होंगे। उन्होंने भारतीय कोचों को बढ़ावा देने के खेल मंत्रालय के विजन पर काम करने की बात दोहराई और कहा कि उनकी नजरें 2032 और 2036 ओलंपिक पर हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि श्रीजेश भारतीय सीनियर टीम के कोच हो सकते हैं, लेकिन उन्हें अभी और अनुभव की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रीजेश का कार्यकाल समाप्त होने पर, हॉकी इंडिया ने सर्वसम्मति से एक अनुभवी कोच लाने का फैसला किया था क्योंकि टीम का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा था। टिर्की ने कहा कि अंडर-21 टीम बेहद महत्वपूर्ण है और उसे एक अनुभवी कोच की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हॉकी इंडिया को जल्दबाजी के बजाय सोच-समझकर कोचों की नियुक्ति करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि भारतीय हॉकी के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी खिलाड़ी को संन्यास के बाद बिना किसी अनुभव के तुरंत कोच बना दिया गया हो।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और टाइटंस में मुकाबला

शाम 7- 30 पर खेला जाएगा मैच

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में गुजरात टाइटंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। जहां केकेआर का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी हल्की सी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। वहीं गुजरात टाइटंस इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना चाहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए गुजरात टाइटंस जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

इस सत्र में जब पिछली बार इन दोनों टीमों में मुकाबला हुआ था तब गुजरात टाइटंस ने केकेआर को 5 विकेट से मात दी थी। ऐसे में अब केकेआर हिसाब बराबर करना चाहेगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 1 जबकि गुजरात ने 4 जीते हैं, वहीं एक मैच का परिणाम नहीं आया है।

इस मैच में केकेआर को अगर जीतना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान आजिंक्य रहाणे के अलावा अंगकृष रघुवंशी, कैमरून ग्रीन और रिंकू सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा के अलावा रहस्यमी स्पिनर सुनील नरेन पर आधारित रहेगी दूसरी ओर इस सत्र में शुभमन गिल की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन कर रही गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और राहुल तेवतिया पर आधारित रहेगी। टीम की गेंदबाजी की कमान कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा स्पिनर राशिद खान संभालेंगे।

केकेआर - अजिंक्य रहाणे , फिल एलन, अंगकृष रघुवंशी , कैमरून ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, रोवमैन पॉवेल, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव ।

फिल सॉल्ट शीघ्र कर सकते हैं वापसी - पाटीदार

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा है कि टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट शीघ्र ही टीम में वापसी कर सकते हैं। सॉल्ट करीब एक महीने से उंगली की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। पाटीदार के अनुसार साल्ट अब पहले से काफी बेहतर हैं और उनके शीघ्र ही टीम से जुड़ने की संभावना है।

सॉल्ट ने आखिरी बार 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेला था। इसके बाद उनकी उंगली में चोट लग गई थी, जिसके चलते उन्हें स्कैन और रिकवरी के लिए इंग्लैंड लौटना पड़ा था। साल्ट के बाहर होने से टीम संयोजन प्रभावित हुआ है।

सॉल्ट का टीम में होना आरसीबी के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वह प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब है। पिछली कुछ टी20 पारियों में संघर्ष के बाद, सॉल्ट ने आईपीएल के इस सत्र में जबरदस्त वापसी की थी। उन्होंने सत्र में 202 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 33.66 और स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा है। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने दो शानदार अर्धशतकीय पारियां भी खेली थीं, जिससे टीम को अच्छी शुरुआत मिली थी। सॉल्ट की गैरमौजूदगी में युवा जैकब बेथेल को पारी की शुरुआत की जिम्मेदारी मिली पर वह सफल नहीं रहे। बेथेल छह मैचों में केवल 85 रन बना पाये।

ईसीबी ने पहली बार पूर्व महिला क्रिकेटर को बनाया पुरुष टीम का कोच

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पहली बार एक महिला क्रिकेटर को पुरुष क्रिकेट टीम का कोच बनाया है। पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड की सीनियर पुरुष टेस्ट टीम का फील्डिंग कोच बनाया गया है। उन्हें कार्ल हॉपकिंसन की जगह कोच बनाया गया है। हॉपकिंसन अभी आईपीएल करार के कारण उपलब्ध नहीं हैं।ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब की सारा को कोच बनाने की घोषणा की। सारा की नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सारा महिला क्रिकेट की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। उन्होंने अपने शानदार करियर में सभी प्रारुपों में कुल मिलाकर 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह बेहतरीन विकेटकीपरों में से एक रही हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही सारा ने कोचिंग का काम संभाला। उन्होंने पहले एंड्रयू फ्लिंटॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लायंस (इंग्लैंड ए) टीम के साथ भी कोच के तौर पर काम किया है। इसमें उनके प्रदर्शन की काफी सराहना की गई। इसी को देखते हुए उन्हें सीनियर टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ससेक्स की पुरुष टीम और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के साथ भी फील्डिंग कोच के रूप में अहम भूमिकाएँ निभाई हैं। सारा को कोच बनाये जाने को लेकर ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब ने प्रशंसा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि वह अपने काम में माहिर और सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। उनका प्रदर्शन असाधारण रहा है और उन्होंने एंड्रयू फ्लिंटॉफ और एड बर्नी के साथ काफी काम किया है। ये दोनों ही उनकी जमकर तारीफ करते हैं। की ने आगे कहा, इसलिए जैसा कि हमें दिख रहा है, वह अपने क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। वह जिस तरह से अपना काम करती हैं उससे हम पूरी तरह से और अविश्वसनीय रूप से प्रभावित हैं।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण प्रतिभा वृद्धि व क्षमता संवर्धन में सहायक होगा - उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री ने शौर्य संकल्प प्रशिक्षण का किया शुभारंभ

रीवा (कीर्तिप्रभा) . उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि युवाओं की प्रतिभा वृद्धि व क्षमता संवर्धन में प्रशिक्षण सहायक होगा। प्रशिक्षण में सीखी गई बारीकियाँ व अन्य जानकारियाँ विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य निर्माण में उपयोगी होंगी। स्पोर्टस काम्पलेक्स में पिछड़ावर्ग विभाग द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान युवाओं को सैन्य बल व अन्य समकक्ष सुरक्षा बलों, पुलिस, होमगार्ड, व निजी सुरक्षा एजेंसियों के लिये तैयार करने हेतु जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उप मुख्यमंत्री ने शुभारंभ किया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को सीखने की जरूरत होती है सीखने की कोई उम्र नहीं होती। युवाओं को प्रशिक्षण देकर उनके बेहतर भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से यह कार्यक्रम उन्हें रचनात्मक कार्यों की ओर अग्रसर करेगा। इसके माध्यम से वह भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वह नशे से दूर रहें व अन्य को भी नशे से दूर रहने के लिये जागरूक करें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्पोर्टस काम्पलेक्स में खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है जिसके माध्यम से वह राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम रोशन कर सकते हैं। श्री शुक्ल ने कहा कि युवाओं को बेहतर भविष्य बनाने के लिये स्वयं को तैयार करना होगा। शासन स्तर से इस प्रकार के प्रशिक्षण का आयोजन युवाओं के भविष्य निर्माण में मददगार होंगे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की तथा शुभकामना देते हुए कहा कि पूरे लगन से प्रशिक्षण प्राप्त करें।

कार्यक्रम में सहायक संचालक पिछड़ावर्ग कल्याण सुमन द्विवेदी ने बताया कि 45 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में 200 युवक/युवतियाँ शामिल होंगे। पिछड़ावर्ग के आर्थिक तौर पर कमजोर युवक, युवतियों के लिये यह प्रशिक्षण उनके भविष्य निर्माण में उपयोगी होगा। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को अध्ययन सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में श्री अमरकांत शुक्ल, श्री राजगोपाल मिश्रचारी, डिप्टी कलेक्टर सुधीर कुमार बेक, संभागीय खेल अधिकारी एम.के. धौलपुरी सहित खेल विभाग के अधिकारी/कर्मचारी पिछड़ावर्ग विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने चार दिवसीय बास्केटबाल प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने ऋतुराज पार्क में आयोजित चार दिवसीय बास्केटबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता का आयोजन जिला बास्केटबाल संघ द्वारा किया जा रहा है, जिसमें बालक और बालिका वर्ग में 10 टीमें भाग ले रही हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल हमें जीवन में अनुशासन और प्रतिस्पर्धा की सीख देते हैं। खेलों में नियमित रूप से भाग लेने से तन और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। खेल ही ऐसा क्षेत्र है जिसमें हारने वाला खिलाड़ी भी जीतने वाले को दौड़कर बधाई देता है। रीवा में स्पोर्ट्स काम्पलेक्स तथा आधुनिक क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण से खेलों को बढ़ावा मिल रहा है। क्रिकेट स्टेडियम को आधुनिक बनाकर इसमें बड़ी प्रतियोगिताओं के मैच कराए जाने चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋतुराज पार्क बास्केटबाल मैदान में सिंथेटिक टर्फ लगाने के लिए हर संभव सहायता दी जाएगी। समारोह में सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि नई पीढ़ी के बच्चे हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। खेलों में भी अब सफल खिलाड़ियों का भविष्य बहुत उज्वल है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी खिलाड़ियों का लगातार उत्साहवर्धन और प्रोत्साहन कर रहे हैं। युवा खेलों को अपनाकर अपने जीवन को सार्थक बनाएं। नशे की राह से बचने के लिए भी खेल सर्वोत्तम साधन है। जिला बास्केटबाल संघ के अध्यक्ष तथा विधायक गुढ़ श्री नागेन्द्र सिंह ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल हमें धैर्य, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना सिखाते हैं। यह प्रतियोगिता प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए नया मंच और प्रतिभा निखारने का सही अवसर सिद्ध होगी।

संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक 25 मई को

रीवा (कीर्तिप्रभा) कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में संयुक्त परामर्शदात्री समिति का बैठक 25 मई को मोहन सभागार में दोपहर 12 बजे से आयोजित की गई है। जिला स्तरीय बैठक में कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों से उपस्थिति की अनुरोध किया गया है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ग्राम पंचायत बेलवा पैकान एवं तिवनी का किया निरीक्षण

रीवा (कीर्तिप्रभा) जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने ग्राम पंचायत बेलवा पैकान व तिवनी का निरीक्षण किया। उन्होंने तिवनी के सामुदायिक भवन को जल्द से जल्द गुणवत्ता पूर्वक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जल गंगा संवर्धन अंतर्गत तालाबो का निरीक्षण कर समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश सीईओ द्वारा दिये गये। बेलवा पैकान अंतर्गत आंगनवाड़ी भवन में निर्माणाधीन रूफ टाप हार्वेस्टिंग में उपयोग हो रहे सामग्री का परीक्षण कर अगले दो दिन में कार्य को पूर्ण करने के लिए संबंधित उपयंत्री को निर्देश दिए गए। आंगनबाड़ी के निरीक्षण के दौरान आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा पंजी संधारित ना किए जाने पर परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास को निर्देशित किया गया की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को नोटिस जारी करे। सरपंच एवं सचिव को आगनवाडी परिसर को साफ़ सफाई रखने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद सीईओ गंगेव को जिला पंचायत सीईओ ने निर्देश दिये

रीवा जिले फार्मर रजिस्ट्री के लिए 20 मई तक लगेंगे विशेष शिविर

किसानों के सभी खसरों को फार्मर आईडी से लिंक करें - कलेक्टर

रीवा (कीर्तिप्रभा) शासन के निर्देशों के अनुसार किसानों के सभी खसरा नम्बर एग्रीस्टेक पोर्टल पर दर्ज करके किसानों की फार्मर आईडी बनाई जा रही है। इसके आधार पर ही किसानों को किसान सम्मान निधि का भुगतान किया जा रहा है। रीवा जिले में किसानों की फार्मर आईडी बनाने के लिए 20 मई तक ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों के आयोजन के लिए तहसीलवार स्थल और तिथियाँ निर्धारित कर दी गई हैं। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा है कि सभी एसडीएम निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिविरों का आयोजन कराएं। शिविरों के लिए जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक तथा पटवारी शिविर में उपस्थित रहकर किसानों के समस्त खसरे को फार्मर आईडी से लिंक कराएं। सभी छूटे हुए किसान अपने आधार कार्ड, खसरा और खतौनी की प्रति, मोबाइल नम्बर तथा समग्र आईडी के साथ शिविर में शामिल होकर छूटे हुए खसरा नम्बर आईडी से लिंक करा लें। कलेक्टर ने कहा है कि निर्धारित शिविर से कम से कम एक दिन पूर्व किसानों को फार्मर आईडी बनवाने, छूटे खसरों को जोड़ने और आवश्यक दस्तावेज के साथ शिविर में उपस्थित होने के लिए मुनादी कराएं। इसके अतिरिक्त कृषि विभाग, पंचायत सचिव और रोजगार सहायकों द्वारा किसानों के ई-टोकन बुकिंग का कार्य भी संपन्न किया जाएगा, जबकि सहकारिता विभाग द्वारा समिति स्तर पर सदस्यों की ई-टोकन बुकिंग सुनिश्चित की जाएगी।

16 मई को यहाँ लगेंगे शिविर – फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए 16 मई को तहसील सिरमौर में ग्राम पंचायत गहनीआ, खैरहन, बेलवा सुरसरी, पटेहरा, बरहा, कटकी, दुबगवां, खैर, दादर, बंयोटी, कोलहाई, सरई, लालगांव, सदहना तथा करारिया में शिविर लगेंगे। तहसील त्योंथर में रेही, बौना, गढ़ी, रिसदा, मलपार, कोनियाखुर्द, कोटराखुर्द, चिल्ला, बड़ागांव, सहलोलवा, अतरैला, सोहागी, चुनरी, अमाव, बराखुर्द, कोनीखुर्द, बसहट, बजरा, रेरूआ, गाड़रपुरवा में शिविर लगेंगे। तहसील जवा में चौर, शिवपुर, कंचनपुर, उपरवार, पनवारकला, लटियार, गोहटा, गाढ़ा नम्बर एक, गाढ़ा नम्बर दो, कुठिला, जोन्हा, कशियारी, पथरौड़ा, जवा, बरौली, उसकी, गौहाना तथा गढ़वा में शिविर लगेंगे। रायपुर कर्चुलियान तहसील में चोरगड़ी, कोष्टा, जियला, सिरखिनी, रामनई, बरेही, ऐतला, पतौता, बरहदी, बुढ़वा, देवरा फरेंदा, मनिकवार, हिनौती, अहिरगांव तथा सिरसा में शिविर लगेंगे। तहसील मनगवां में डगरदुआ, हीरूडीह, देवहटा, गोदरी, पचोखर, तिवनी, रामपुर, धुधकी, नदना, मनगवां, जरहा, चंदेह, पलिया, नवागांव, पलिया नम्बर एक तथा नवागांव कोठार में शिविर लगेंगे। तहसील सेमरिया में कुम्हरा जुड़मानी, भटिगवां, देवरी, चौरा, बरा, पटेहरा, कोटा, हरदुआ, मझियार, बड़ी हर्रई, बधरा, भेलौड़ी, बीरखाम तथा कपसा में शिविर लगेंगे। तहसील हुजूर ग्रामीण में हर्दी, सांव, पुरैनी, मनकहरी, बैजनाथ, खैरा, देवरा, पड़िया, तमरा में शिविर लगेंगे। हुजूर नगर तहसील में अनंतपुर, बोदा, अजगरहा, करहिया, मैदानी, दुआरी तथा गोड़हर में शिविर लगेंगे। तहसील गुढ़ में गोरगी, बड़ागांव, करौदी, बंजारी, लोढ़ी, गुड़वा, भीटा, इटारपहाड़, जलदर, उमरिहा तथा दुआरी में शिविर लगेंगे। इन शिविरों में पटवारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक तथा कृषि विस्तार अधिकारियों को किसानों की फार्मर आईडी बनाने के लिए तैनात किया गया है।

रीवा संभाग में अब तक 458080 मीट्रिक टन हुई गेंहू की खरीद

संभाग के अन्नदाताओं को किया गया 368 करोड़ रुपए का भुगतान

रीवा (कीर्तिप्रभा) . रीवा संभाग में 15 मई तक 90619 किसानों से 458080 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई है। उपार्जित गेंहू का किसानों के बैंक खाते में लगातार भुगतान किया जा रहा है। अब तक संभाग के अन्नदाताओं को 368 करोड़ रुपए की राशि उनके बैंक खाते में जारी कर दी गई है। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि संभाग में 334 खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से गेंहू का उपार्जन किया जा रहा है। उपार्जन के लिए अब तक 119089 किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं। रीवा जिले में 79 खरीदी केन्द्रों में 27293 किसानों से 123362 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। किसानों को अब तक 131 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। सतना जिले में 95 खरीदी केन्द्रों में 33264 किसानों से 203974 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। किसानों को 158 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। सीधी जिले में 44 खरीदी केन्द्रों में 6962 किसानों से 24332 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया तथा किसानों को 13 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

इसी तरह सिंगरौली जिले में 48 खरीदी केन्द्रों में 6626 किसानों से 19960 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई है। किसानों को 9 करोड़ रुपए का भुगतान दिया जा चुका है। मऊगंज जिले में 26 खरीदी केन्द्रों में 3915 किसानों से 16559 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया है तथा 8 करोड़ रुपए किसानों को भुगतान किया गया है। मैहर जिले में 42 खरीदी केन्द्रों में 12559 किसानों से 69792 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। किसानों को 49 करोड़ रुपए गेंहू का भुगतान किया गया है। उपार्जित गेंहू में से 54 प्रतिशत का परिवहन करके सुरक्षित भण्डारण करा दिया गया है। गेंहू उपार्जन के लिए पंजीकृत किसान 23 मई तक स्लॉट बुक कर सकते हैं।

सुंदर, स्वच्छ व स्वस्थ रीवा बनाने के लिये सभी कार्य प्राथमिकता से कराये जा रहे हैं – उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री ने रीवा शहर के तीन एसटीपी का किया लोकार्पण

जयंती कुंज एसटीपी का होगा जीर्णोद्धार

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि किसी भी शहर आदर्श शहर बनाने के लिये आवश्यक है कि हर घर में स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध हो तथा घर के कचरे व गंदे पानी का निष्पादन किया जाय। रीवा को सुंदर, स्वच्छ व स्वस्थ शहर बनाने के सभी कार्य प्राथमिकता से कराये जा रहे हैं। रीवा के हर घर में मीठा पानी पहुंचाना व घर से निकलने वाले गंदे पानी का निष्पादन करके रीवा आदर्श शहर के मानक को पूरा करेगा। उप मुख्यमंत्री ने रीवा शहर के विकास और स्वच्छता को नई दिशा देने के उद्देश्य से तीन एसटीपी का लोकार्पण किया तथा जयंती कुंज के एसटीपी के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में जब रीवा छोटा शहर था तब यहाँ की आधी आबादी को खारा पानी मिलता था। रीवा शहर में भूमिगत नालियाँ नही थी। मगर प्रधानमंत्री जी के संकल्प व मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में रीवा में हर घर को मीठा पानी दिलाने के लिये 12 टंकियाँ बन रही हैं। भूमिगत नालियाँ बनाई गई हैं तथा घरों से निकलने वाले गंदे पानी को सीवरेज प्लांट तक ले जाकर साफ करने का कार्य कराया जा रहा है। रीवा शहर के आगामी 35 वर्ष के विस्तार व आबादी के अनुरूप कार्ययोजना बनाकर कार्य किये जा रहे हैं ताकि आने वाले वर्षों में किसी भी प्रकार की समस्या न आये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विकास व जनोन्मुखी कार्यों को पूरा करना चुनौती है। इसे पूरी गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण कराया जायेगा और रीवा के नागरिकों को महानगर की तरह सभी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि बाबाघाट, विवेकानंद एवं बिछिया के एसटीपी के बन जाने से लगभग 25 हजार घरों का गंदा पानी साफ होगा। जयंती कुंज में पूर्व में निर्मित एसटीपी जो बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था उसे भी सुधारा जायेगा। शीघ्र ही एजी कालेज के समीप निर्माणाधीन एसटीपी का भी लोकार्पण होगा और संपूर्ण रीवा शहर के घरों का गंदा पानी स्वच्छ होगा तथा रीवा गंदगी मुक्त साफ शहर होगा। साथ ही बीहर नदी भी साफ व स्वच्छ होगी।इस अवसर पर सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि बीहर नदी में गिरने वाले नालों का पानी अब साफ होकर नदी में जायेगा जिससे नदी साफ होगी व घरों का गंदा पानी भी नहीं बहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के हर घर को शुद्ध पानी दिलाने व गंदे पानी को साफ करने के संकल्प को उप मुख्यमंत्री जी पूरा कर रहे हैं। उन्होंने शहरवासियों से अपेक्षा की कि रीवा को स्वच्छता में 7 स्टार दिलाने में सहयोग करें ताकि हमारा रीवा भी देश के साफ शहरों की सूची में और ऊपर आ जाय।

इससे पूर्व प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कार्यपालन यंत्री रमेश सिंह ने जानकारी दी कि

वन्य प्राणियों को गर्मी से बचाव के लिये की गई व्यवस्थायें

रीवा (कीर्तिप्रभा) महाराजा मार्तण्ड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी एण्ड जू मुकुन्दपुर में वर्तमान समय मे 31 प्रजातियो के 220 वन्यप्राणी हैं। वन्यप्राणियो को गर्मी से बचाव के लिए जू मे व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। संचालक से प्राप्त जानकारी के अनुसार मांसाहारी वन्यप्राणियो के बाड़ो मे रेनगन एवं शाकाहारी वन्यप्राणियों के बाड़ो स्प्रिंकलर सिस्टम लगाया गया है। वन्यप्राणियो के बाड़ो में अस्थाई झोपड़ी (घोपा) बनाया गया है जिससे वन्यजीवों को ठण्डक एवं छाया उपलब्ध हो सके। वन्यप्राणियों के बाड़ो में बने क्राल एवं सॉसर में ग्रीन नेट लगाकर छाया की व्यवस्था की गई है तथा वॉक इन एवियरी एवं रेप्टाइल हाउस में फागर सिस्टम लगाया गया है जिससे वन्यजीवों को शीतलता उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त शाकाहारी वन्यजीवों को हरी सब्जिया एवं फल प्रदाय किया जा रहा है।

प्रतिदिन जूम लिंक से दिया जा रहा योग प्रशिक्षण

रीवा (कीर्तिप्रभा) रीवा संभाग के सभी जिलों में 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। विश्व योग दिवस कार्यक्रम की तैयारियों के क्रम में आयुष विभाग द्वारा प्रतिदिन सुबह 8 बजे से जूम लिंक के माध्यम से योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस संबंध में आयुर्वेद महाविद्यालय रीवा के डीन डॉ. दीपक कुलश्रेष्ठ ने बताया कि अधिकारियो के संभागीय ग्रुप तथा जिला ग्रुप में प्रतिदिन प्रशिक्षण के लिए जूम लिंक शेयर की जा रही है। यूट्यूब में भी प्रशिक्षण उपलब्ध है। उन्होंने अधिकारियो और कर्मचारियों से योग प्रशिक्षण में शामिल होने का अनुरोध किया है।

उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल परिसर के निर्माणाधीन कार्यों का किया निरीक्षण

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने संजय गांधी अस्पताल एवं सुपर स्पेशलिटी अस्पताल परिसर में विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन मातृत्व एवं शिशु विंग, सहित कैंसर यूनिट व डॉक्टर्स क्वार्टस के निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर गुणवत्ता कार्य करते हुए समय सीमा में कार्यों के पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस दौरान डीन डॉ. सुनील अग्रवाल उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने आमजनों की समस्यायें सुनीं

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने जनदर्शन कार्यक्रम के तहत अपने अमहिया स्थित निज निवास में आमजनों से भेंटकर उनकी समस्यायें सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को समुचित समाधान के निर्देश दिये।

क्रमांक-107-1258-एसपी शुक्ल-फोटो क्रमांक 05 संलग्न है।

मनगवां में 20 मई को रोजगार मेला, दिग्गज कंपनियों में युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

रीवा (कीर्तिप्रभा) मध्यप्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के निर्देशानुसार जिला प्रशासन आगामी 20 मई को युवाओं के लिए एक युवा संगम यानी रोजगार, स्वरोजगार एवं और अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया जा रहा है। मनगवां बस्ती, इलाहाबाद रोड पर स्थित श्री कृष्णा फार्मेसी कॉलेज में इस एक दिवसीय मेले का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि मेले में शामिल होने के लिए रीवा जिले के इच्छुक आवेदक 20 मई को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में देश के विभिन्न राज्यों से कुल 20 बड़ी कंपनियाँ और नियोजक हिस्सा ले रहे हैं। इनमें हायर अप्लायंसेस इंडिया लि. रंजनगांव पुणे, जैबिल सर्किट इंडिया लि. रंजनगांव, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स बैंगलोर, टाटा मोटर्स प्रा. लि. सानन्द अहमदाबाद गुजरात, सुप्रीम ट्रॉयन प्रा. लि. चाकन पूणे, टीवीएस आटोमोबाइल कंपनी, इलेक्ट्रानिक्स मोबाइल, एमआरएफ टायर्स भारूच गुजरात, याजाकी इंडिया लि. हरियाणा, डिक्सन टेक्नालॉजी नोयडा, आरव्ही लाईफसाइंस लि. औरांगाबाद, डिस्पोसेफ हेल्थ एवं लाइफ केयर लि. फरीदाबाद, मनी सैल्यूशन प्रा. लि. जनकपुरी न्यू डेल्ही, एसबीआई क्रेडिट कार्ड रीवा/सतना, अमेजन वेयरहाउस पुणे, जेके टायर्स एण्ड इंडस्ट्रीज लि. वानमोर मुरैना, सीआईआई एमसीसी इंदौर, प्रभा बायोप्लांट्स प्रा.लि. रीवा, एचडीएफसी लाईफ इश्योरेंस कंपनी लि. रीवा और प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा के युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान करेंगी। मेले में चयनित होने वाले उम्मीदवारों को उनकी योग्यता और पद के आधार पर 7 हजार रुपये से लेकर 35 हजार रुपये तक का मासिक वेतन व भत्ते दिए जाएंगे।

मेले में भाग लेने के लिए 8वीं, 10वीं, 12वीं पास अभ्यर्थियों के साथ-साथ स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई के सभी ट्रेड में उत्तीर्ण छात्र और डिप्लोमाधारी युवा आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों की आयु सीमा 18 से 28 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने साथ मूल अंकसूची की छायाप्रति, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड या वोटर आईडी, समग्र आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन और दो नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो लेकर अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। उप संचालक ने जिले के अधिक से अधिक युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।